04 - प्रतिबंध से विचार नहीं मिटते

05 - डेथ चैंबर न बने कोचिंग देने वाले सेंटर

A Daily News Magazine

इंदौर

सोमवार, 12 अगस्त, 2024

06 - कार्यक्रम की गरिमा और भव्यता का रखें ध्यान : कलेक्टर श्री सूर्यवंशी

07- स्वयंद्रष्टा भाव

इंदौर एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 9 अंक 289, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2 (डाक पंजीयन संख्याः MP/IDC/1529/2016-2018)

पहली बात

हिंडनबर्ग रिपोर्ट : षड्यंत्र या खुलासा...? जेपीसी जांच करे

उमेश त्रिवेदी
संपादक

9893032101

अमेरिकी वित्तीय शोध कंपनी हिंडनबर्ग रिसर्च के नए खुलासे के बाद वित्तीय बाजार में पनपी आशंकाओं के धमाकों के साथ ही देश की राजनीतिक जमीन पर भी उसकी धमक महसूस होने लगी है। हिंडनबर्ग की रिपोर्ट को लेकर राजनीतिक हलकों में पहेलियां बूझने का सिलसिला शुरू हो चुका है। अठारह महिने पहले जब हिंडनबर्ग की रिपोर्ट आई थी। तब केन्द्र सरकार ने इसे लगभग खारिज कर दिया था। मोदी-सरकार का जलवा सातवें आसमान पर था। लोकसभा चुनाव के बाद परिदृश्य बदला हुआ है। केन्द्र में भाजपा नहीं, बल्कि एनडीए का शासन है। मोदी भले ही प्रधानमंत्री हों, लेकिन भाजपा के पास अपना बहुमत नहीं है।

पिछली मर्तबा हिंडनबर्ग मामले को लोकसभा में उठाने वाले राहुल गांधी सदन में नेता, प्रतिपक्ष है। सदन में विपक्ष की शक्ति की अंदाज इसी लग सकता है कि सरकार को मजबूरी में वक्फ बोर्ड की शक्तियों को नियोजित करने वाली विधेयक लोकसभा की संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) को भेजना पड़ा है। हिंडनबर्ग के ताजा खुलासे को सनसनीखेज बताते हुए कांग्रेस सहित समूचे विपक्ष ने मांग की है यह महाघोटाला है, इसकी जांच भी जेपीसी व्दारा की जानी चाहिए।

पिछली मर्तबा भी कांग्रेस सहित समूचे विपक्ष ने इसकी जांच के लिए जेपीसी गठित करने की मांग की थी, लेकिन उसे अनसुना कर दिया गया था। विपक्ष का कहना है कि सेबी खुद साफ नहीं है, वह कैसे वित्तीय सफाई करेगा...? जबकि भाजपा का कहना है कि यह भारत को आर्थिक अस्थिरता की ओर ढकेलने का षड्यंत्र है।

पिछले साल हिंडनबर्ग रिसर्च ने अपनी रिपोर्ट में अडानी समूह की कंपनियों पर शेयरों की कीमत में हेराफेरी करने के आरोप लगाए थे। हिंडनबर्ग की रिपोर्ट 18 महिने पहले जारी की गई थी। उसके बावजूद भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की है। उल्लेखनीय है कि पिछले साल सुप्रीम कोर्ट ने अडानी समूह को राहत प्रदान करते हुए फैसला दिया था कि अडानी समूह को सेबी के अलावा किसी अन्य जांच की जरूरत नही है। इसके बाद एक बयान में गौतम अडानी ने कहा था कि शार्ट सेलर हिंडनबर्ग की रिपोर्ट का उद्देश्य सिर्फ उनके समूह को अस्थिर करना ही नहीं है, बल्कि भारत की शासन पद्धतियों को राजनीतिक रूप से बदनाम करना भी है।

अडानी समूह के खिलाफ टालने वाली जांच-पड़ताल से आहत हिंडनबर्ग के नए खुलासे में उसी संस्था के प्रमुख को आरोपों के दायरे में ले लिया है, जो अडानी मामलों में जांच की सूत्रधार थी। हिंडनबर्ग ने खुलासे में भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) की प्रमुख माधवी बुच और उनके पति और अडानी समूह के बीच परस्पर वित्तीय हितों की साझेदारी का जिक्र किया है। यही वित्तीय नातेदारी जांच में सबसे बड़ा व्यवधान रहा है।

सेबी प्रमुख की उन ऑफशोर कंपनियों में हिस्सेदारी रही है, जिनका इस्तेमाल अडानी समूह की कथित वित्तीय अनियमितताओं में हुआ था। सेबी प्रमुख ने कहा है कि मामले में पूरी पारदर्शिता के लिए हम उचित समय पर पूरा बयान जारी करेंगे। सेबी-प्रमुख का आरोप है कि हिंडनबर्ग के खिलाफ जारी प्रवर्तन का कार्रवाई के अंतर्गत हिंडनबर्ग को 'कारण बताओ नोटिस' जारी किया गया था। उसी के जवाब में हिंडनबर्ग रिसर्च ने उन्हे बदनाम करने के लिए का यह प्रयास किया है।

दिलचस्प यह है कि हिंडनबर्ग ने सेबी के कारण बताओ नोटिस को बकवास कहकर खारिज कर दिया है। सेबी के नोटिस में हिंडनब्रग के खिलाफ भारतीय नियमों के संदिग्ध उल्लंघन के आरोपों को रेखांकित किया गया है। यह भ्रष्टाचार को उजागर करने वालों को चुप कराने का प्रयास है। इससे भारत मे सबसे शक्तिशाली व्यक्तियों व्दारा की जाने वाली धोखाधड़ी को छिपाया नहीं जा सकेगा। हिंडनबर्ग ने भारत सरकार पर भी हमला किया है। उसने कहा है कि भारत में कॉर्पोरेट प्रशासन एक मिथक है। कॉर्पोरेट की आड़ में उद्योग समूहो को धोखाधड़ी की पूरी छूट मिली हुई है। कार्पोरेट प्रशासन उन व्यवसायियों के लिए मिथक है, जो रसूख को खरीद सकते हैं।

हिंडनबर्ग का कहना है कि सेबी अध्यक्ष माधवी बुच, उनके पति धवल बुच की अडानी व्दारा धन हेराफेरी घोटालों में प्रयुक्त दोनों ऑफशोर (विदेशी) फंड में हिस्सेदारी है। अडानी समूह पर कार्रवाई के मामलों में हितों का यह टकराव रोड़ा बनकर सामने आ रहा है। जबकि, माधवी बुच और उनके पति धवल बुच ने संयुक्त बयान जारी करके कहा है कि इन आरोपों का सच्चाई से दूर-दूर तक कोई वास्ता नहीं है। हमारी जिंदगी और वित्तीय लेनदेन एक खुली किताब है।

हिंडनबर्ग का कहना है कि सिंगापुर और बरमूड़ा के जिन ऑफशोर फंड का इस्तेमाल गौतम अडानी के भाई विनोद अडानी द्वारा किया गया, उनमें माधवी बुच और उनके पति की हिस्सेदारी थी। यह वित्तीय नातेदारी दस्तावेजों में उपलब्ध है। दस्तावेजों में मौजूद वित्तीय हितों की इस कहानी का निष्कर्ष यह है कि अडानी मामले में होने वाली जांचों मे सेबी को निष्पक्ष मध्यस्थ मानना संभव नहीं है। दस्तावेज के तथ्य इस बात की मांग करते हैं कि हिंडनबर्ग के आरोपों की अतिरिक्त पारदर्शिता के साथ आगे भी जांच होना चाहिए।

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा कि सेबी प्रमुख के बारे में यह खुलासा चौंकाने वाला है। जयराम रमेश ने नए खुलासे को 'अडानी महाघोटाले की जांच में सेबी की आश्चर्यजनक अनिच्छा से जोड़ा है।' उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित विशेषज्ञ समिति ने भी सेबी की जांच में कई विरोधाभासों को इंगित किया था। इसलिए मोदी-सरकार सेबी-जांच में सभी हितों के टकराव को खत्म करे। देश के सर्वोच्च अधिकारियों की मिलीभगत को उजागर करने के लिए अडानी महाघोटाले की जांच के लिए जेपीसी (संयुक्त संसदीय समिति) का गठन किया जाए। इसे सुलझाने की दिशा में सबसे विश्वसनीय एजेंसी जेपीसी ही हो सकती है। जयराम रमेश ने यह भी कहा कि संसद का सत्र अचानक तीन दिन पहले याने 9 अगस्त को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित करने की वजह भी हिंडनबर्ग का यह खुलासा हो सकता है। उल्लेखनीय है कि पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार पहले सत्रावसान 12 अगस्त को होने वाला था। सरकार बहस से बचना चाहती थी।

सुबह सवेरे

subahsaverenews@gmail.com

facebook.com/subahsaverenews

www.subahsavere.news

twitter.com/subahsaverenews

सुप्रभात

देश नदी, पर्वत, वन है,
देश में सब का तन है,
जन-गण-मन है देश।
देश में सब का गान है,
देश में सब की तान है,
सब की जान है देश।
देश में सब की रीत है,
देश में सब की प्रीत है,
सब का मीत है देश।
देश में सब का संग है,
सब के जीने का ढंग है,
सब का रंग है देश।
देश तो सब का धाम है,
देश को सब से काम है,
सब का नाम है देश।

– ध्रुव शुक्ल

हिंडनबर्ग की रिपोर्ट पर एक बार फिर सियासी घमासान

कांग्रेस ने बताया 'अडानी महाघोटाला', रख दी बड़ी मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। हिंडनबर्ग रिसर्च की सनसनी मचाने वाली रिपोर्ट में सेबी की चेयरपर्सन माधवी पुरी बुच और उनके परित धवल बुच पर गंभीर आरोप लगाए गए हैं। हालांकि सेबी चेयरपर्सन ने इन दावों को खारिच करते हुए चरित्र हनन करने का प्रयास बताया है। वहीं विपक्ष ने इस मामले को लेकर सरकार को घेरा है। विपक्ष ने माधवी पुरी और उनके पति के खिलाफ तुरंत जांच के आदेश देने की मांग की है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने शनिवार रात एक बयान जारी कर कहा कि लंबे समय से सेबी अडानी 'महाघोटाले' की जांच करने से कतरा रही है। जॉइंट पार्लियामेंट्री कमेटी से भी जांच करवाने की मांग की गई थी। उन्होंने कहा, सुप्रीम कोर्ट ने एक एक्सपर्ट कमेटी ने विशेष रूप से संज्ञान लिया था। उसने अपनी रिप्रोट में बताया था कि सेबी ने 2018 में विदेशी फंड के अंतिम लाभकारी से संबंधित रिपोर्टिंग की आवश्यकताओं पर जोर दिया था और 2019 में इसे पूरी तरह हटा दिया था। कमेटी के अनुसार ऐसा होने से बाजार नियामक के हाथ इस कदर बंध गए कि उसे गलत कार्यों का संदेह तो है लेकिन उसे संबंधित विनियमों की विभिन्न शर्तों का अनुपालन भी करना पड़ता है। ऐसे में सेबी इस मामले में किसी नतीजे तक नहीं पहुंच पाया है। रमेश ने आगे कहा, जनता के दबाव में अडानी की कंपनी को काफी नुकसान हो जाने के बाद सेबी बोर्ड ने 28 जन 2023 को सख्त रिपोर्टिंग नियम फिर से लागू किए गए। इसने 25 अगस्त 2023 को एक्सपर्ट कमेटी को बताया कि 13 संदिग्ध लेनदेन की जांच की जा रही है लेकिन इसमें कोई सफलता नहीं मिली। हिंडनबर्ग रिसर्च के दावे से पता चलता है कि सेबी की चेयरपर्सन माधवी पुरी और उनके पति ने उन्हीं बरमूडा और मॉरिशस स्थित ऑफशोर फंड में निवेश किया था। माना जाता है कि इन फंड्स का इस्तेमाल सेबी नियमों का उल्लंघन करते हुए अडानी ग्रुप की कंपनियों में बड़ी हिस्सेदारी हासिल करने के लिए किया गया था। चौकाने वाली बात है कि बुच की इन्हीं फंड्स में वित्तीय हिस्सेदारी होगी।

जांच सीबीआई और ईडी को करना चाहिए

अडानी महाघोटाले की व्यापक जांच के लिए जेपीसी का गठन करके ही इसे सुलझाया जा सकता है। टीएमसी की महुआ मोइत्रा ने भी कहा कि अडानी स्टाइल में सेबी की चेयरपर्सन भी इस ग्रुप में निवेशक हैं। उन्होंने कहा कि इसकी जांच सीबीआई और ईडी को करना चाहिए। अमेरिका बेस्ड शॉर्ट सेलर हिंडनबर्ग रिसर्च ने विसलब्लोअर दस्तावेजों के हवाले से दावा किया है कि सेबी चेयरपर्सन और उनके पति ने उन फंड्स में निवेश किया था जिसको लेकर अडानी पर गड़बड़ी करने का आरोप है।

अब मणिपुर के कांगपोकपी जिले में बम ब्लास्ट, टेंग्नौपाल में गोलीबारी

फायरिंग में एक उग्रवादी और 4 वॉलंटियर्स की हो गई मौत

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर के कांगपोकपी जिले में शनिवार को हुए बम ब्लास्ट में एक पूर्व विधायक की पत्नी की मौत हो गई। पुलिस ने बताया घटना सैखुल के पूर्व विधायक यमथोंग हाओकिप के घर के पास हुई। हादसे में घायल पूर्व विधायक की पत्नी सापम चारूबाला की अस्पताल में मौत हो गई। बम किसने लगाया, इस बात का पता नहीं चल सका है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। वहीं, 9 अगस्त को टेंग्नौपाल जिले के मोलनोम इलाके में फायरिंग में चार लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि फायरिंग गांव के वॉलंटियर्स और उग्रवादी संगठन यूनाइटेड कुकी लिबरेशन फ्रंट के सदस्यों के बीच हुई थी। इसमें एक उग्रवादी और 3 वॉलंटियर्स मारे गए। घटना से गुस्साए लोगों ने अध्यक्ष एसएस हाओकिप के घर में आग लगा दी। हालांकि, अब स्थिति नियंत्रण में है। मामले में अब तक किसी भी गिरफ्तारी नहीं हुई है। मणिपुर के जिरिबाम के लालपानी गांव में 2 अगस्त की रात हथियारबंद लोगों ने कई राउंड फायरिंग की। यह घटना जिरिबाम में शांति बहाल करने के लिए हुए समझौते के 24 घंटे के भीतर हुई। हमलावरों ने एक घर में आग लगा दी। हालांकि, वहां कोई नहीं रहता था। अधिकारियों ने बताया कि लालपानी में मैतेई लोगों के घर हैं। यहां के अधिकांश लोगों ने जिले में हिंसा भड़कने के बाद घर छोड़ दिया था। उपद्रवियों ने यहां सुरक्षा-व्यवस्था में ढील का फायदा उठाकर हमला किया। हमलावरों की अभी तक पहचान नहीं हुई है।

पूर्व विधायक की पत्नी की मौत

प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में महिला सशक्तिकरण का नया अध्याय लिखा जाएगा : मुख्यमंत्री

म.प्र. में स्कूल-कॉलेज की छात्राओं को सैनिटरी पैड के लिए सीधे उनके खातों में पैसे डाले गए

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भारतीय महिलाएं प्रारंभ से शौर्य और पराक्रम का महत्वपूर्ण उदाहरण रही हैं। भारत का इतिहास महिलाओं के साहस से भरा हुआ है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बदलते दौर में महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए अनेक महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। इस क्रम में भारत की संसद और विधानसभा में एक तिहाई स्थान पर महिलाओं के निर्वाचन के प्रावधान के प्रयास ऐतिहासिक होंगे। यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आने वाले दो-तीन वर्ष में देश में महिला कल्याण और महिला सशक्तिकरण का नया अध्याय लिखा जाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को भोपाल के रवीन्द्र भवन में उच्च शिक्षा और स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित छात्राओं के संवाद एवं सम्मान कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारत का पिछले 500 वर्ष का इतिहास देखें तो वह महिलाओं के गौरव और शौर्य से परिपूर्ण रहा है। उन्होंने कहा कि रानी दुर्गावती का 500वां वर्ष चल रहा है। आज की युवा पीढ़ी को उनके शौर्य के बारे में जानकारी होना चाहिए। मध्यप्रदेश की बेटी रानी दुर्गावती ने अपने शासन काल में 51 लड़ाईयां लड़ीं। रानी दुर्गावती ने अकबर की सेना को पूरी वीरता के साथ तीन बार पराजित किया।

19 लाख छात्राओं को अंतरित की गई राशि

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस मौके पर समग्र शिक्षा के अंतर्गत सैनिटेशन एवं हाइजीन योजना में 19 लाख छात्राओं को 57 करोड़ 18 लाख रुपये की राशि अंतरित की। इस कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यालयों और महाविद्यालय की छात्राओं को स्वच्छता के महत्व और उनके उपायों के बारे में जानकारी दी जाती है। यह योजना स्कूल शिक्षा विभाग के समग्र शिक्षा अभियान के तहत संचालित हो रही है। इस वर्ष योजना में कक्षा 7 से 12 तक की छात्राओं को सेनेटरी नेपकिन के लिए यह राशि अंतरित की गई है।

मुख्यमंत्री को छात्राओं ने बांधी राखी

मुख्यमंत्री डॉ. यादव को छात्राओं द्वारा विशाल राखी भेंट की गई। इसके बाद छात्राओं ने मुख्यमंत्री को राखी भी बांधी। डॉ. यादव ने छात्राओं को उपहार भेंट किए। मुख्यमंत्री ने गणतंत्र दिवस परेड नई दिल्ली-2024 और राष्ट्रीय सेवा योजना में मध्यप्रदेश का नेतृत्व करने वाली छात्राओं, महाविद्यालय में विभिन्न संकायों में अव्वल रहने वाली छात्राओं का सम्मान किया।

अंतरिम सरकार में होगा अहम रोल, आ गई खास रिपोर्ट

बांग्लादेश में पर्दे के पीछे से चलेगा सेना का 'खेला'

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश में पिछले दिनों हुए तख्ता पलट की वजह से देश में कत्लेआम मचा हुआ है। इसी मुद्दे पर दक्षिण एशिया संस्थान के निदेशक माइकल कुगेलमैन ने बीते शनिवार को विल्सन सेंटर से अपनी बात रखी है। उन्होंने कहा है कि वहां गठित हुई अंतरिम सरकार जितने समय तक सत्ता में रहेगी।

देश में सेना की भूमिका और भी निर्णायक होती चलेगी जाएगी। कुगेलमैन ने शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग के हाशिये पर होने की भी बात कही। हालांकि उन्होंने ये भी दावा किया कि आने वाले समय में लीग फिर से लोकप्रियता हासिल कर सकती है।

बांग्लादेशियों की जान बचाने के लिए मैंने दिया इस्तीफा

- बांग्लादेश की पूर्व पीएम शेख हसीना ने अमरीका पर लगाए साजिश रचने के आरोप

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश में प्रधानमंत्री पद से इस्तीफे के 6 दिन बाद शेख हसीना ने कहा है कि अमेरिका को सेंट मार्टिन आईलैंड न देने की वजह से उनकी सरकार गिराई गई है। हसीना ने अपने करीबी सहयोगियों से कहा,मैं कट्टरपंथियों की हिंसा में मरने वालों की संख्या को बढ़ने नहीं देना चाहती थी। वे छात्रों के शवों के जरिए सत्ता हासिल करना चाहते थे। लेकिन मैंने पद छोड़कर ऐसा नहीं होने दिया। हसीना ने कहा,मैं सेंट मार्टिन द्वीप और बंगाल की खाड़ी को अमेरिकी कंट्रोल में देकर अपनी कुर्सी बचा सकती थी।

भोपाल का तापमान

अधिकतम 38.5 °c | न्यूनतम 33°c

सुबह सवेरे

इंदौर ■ सोमवार, 12 अगस्त 2024

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

घाटी में आतंकियों की घेराबंदी के लिए उतारे पैरा कमांडो

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू कश्मीर के किश्तवाड़ में सुरक्षा बलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ हुई है। रविवार सुबह ही जम्मू भाग के किश्तवाड़ जिले में सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच गोलीबारी हुई है। सूत्रों की मानें तो

● जम्मू कश्मीर के किश्तवाड़ में मुठभेड़, सुरक्षा बलों ने डाला घेरा

जैश आतंकियों का एक समूह फंस गया था। जिसको भारतीय सुरक्षा बलों द्वारा घेर लिया गया। जिसके बाद से ही दोनों ओर से गोलीबारी शुरू हुई। इसी को लेकर सेना ने सर्च ऑपरेशन के लिए सेना ने पैरा कमांडो उतारे हैं। जम्मू के अंनतनाग में गोलीबारी के बाद से ही भारतीय सेना ने तलाशी और छापेमारी अभियान तेज कर दिए हैं। जानकारी के मुताबिक आतंकियों की घेराबंदी के लिए सेना पैरा कमांडो सहित सैनिकों को तैनात किया गया है। जिस जंगल में मुठभेड़ चल रही है वह 15 किलोमीटर अंदर है। जहां से आतंकवादियों ने घात लगाकर हमला किया, जिसके बाद सेना ने तलाशी लेने के लिए पहुंची तो वहां आतंकियों ने ऊंची जमीन का फायदा उठाते हुए गोलीबारी शुरू कर दी। आतंकियों द्वारा की जा रही गोलीबारी कई जवान घायल हुए। वहीं सेना के दो जवानों की शहादत भी हुई है बल्कि 4 घायल है। इस ऑपरेशन में 2 स्थानीय नागरिक भी घायल हुए थे जिसमें से एक की मौत हो गई है। सेना द्वारा किए जा रहे सर्च ऑपरेशन को लेकर एक बयान भी जारी किया गया था। जिसमें सेना की ओर से कहा गया था कि विशेष खुफिया जानकारी के आधार भारतीय सेन, सीआरपीएफ और जेके पुलिस का संयुक्त अभियान शनिवार को कोकेरनाम में शुरू किया गया है। इस अभियान में दोनों तरफ से गोलीबारी भी हुई है। जिसमें दो सुरक्षाकर्मी घायल भी हुए हैं। बीते कुछ महीनों में जम्मू-कश्मीर इलाके में कई सेना और नागरिकों पर हमले हुए हैं। बीते 80 दिनों में 11 आंतकी हमले हुए हैं। इस दौरान कई जवानों और नागरिकों की मौत भी हुई है। सबसे महत्वपूर्ण बात ये है कि ऐसा माना जा रहा था कि सेना कश्मीर में शांति बहाल करा चुकी है। लेकिन बीते कुछ दिनों से हो रहे आतंकी घटनाओं को लेकर कहा जा रहा है कि अभी भी कश्मीर शांत नहीं हुआ है। वहीं इस बार आतंकी हमले जम्मू में भी हुए हैं। जिसको कश्मीर के अपेक्षा ज्यादा सुरक्षित माना जाता है।

भारत का होगा बांग्लादेश जैसा हाल पर भड़के धनखड़

● बिना नाम लिए जमकर सुनाया, निशाने पर कांग्रेस नेता!

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत का हाल भी बांग्लादेश जैसा होगा कहने वालों पर राज्यसभा के उपसभापति जगदीप धनखड़ का गुस्सा भड़क उठा है। उन्होंने बिना किसी का नाम लिए जमकर सुनाया और चिंता जताई कि कैसे कोई भारत की तुलना बांग्लादेश से कर सकता है। धनखड़ ने यह बातें जोधपुर में राजस्थान हाई कोर्ट के प्लेटिनम जुबिली समारोह में कहीं। उन्होंने कहा कि कैसे इस देश का नागरिक जो संसद सदस्य रह चुका है और एक अन्य जिसने कई विदेश सेवाएं देखी हैं, ऐसी बातें कर सकता है।

पूर्व विदेश मंत्री नटवर सिंह का निधन

● 95 साल की उम्र में ली आखिरी सांस

नई दिल्ली (एजेंसी)। जानेमाने कांग्रेस नेता और पूर्व विदेश मंत्री के नटवर सिंह का शनिवार को 95 साल की उम्र में निधन हो गया। उन्हें दो सप्ताह पहले अस्पताल में भर्ती करवाया गया था। गुड़गांव के अस्पताल में उन्होंने आखिरी सांस ली। जानकारी के मुताबिक परिवार के लोग उनका अंतिम संस्कार दिल्ली में करेंगे। 2004-05 में के नटवर सिंह यूपीए की सरकार में विदेश मंत्री थे। इसके अलावा वह पाकिस्तान के राजदूत भी रहे और 1966 से 1971 तक पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के कार्यालय से जुड़े थे। उन्होंने केंद्रीय स्टील, खनन और कोयला मंत्री के तौर पर भी सेवा दी।

उद्धव ठाकरे की कार पर एमएनएस कार्यकर्ताओं ने फेंका गोबर

ठाणे (एजेंसी)। महाराष्ट्र के ठाणे में शनिवार शाम को एमएनएस कार्यकर्ताओं ने शिवसेना चीफ उद्धव ठाकरे के काफिले

पर गोबर, चूड़ियां, नारियल और टमाटर फेंके। इसके बाद दोनों के समर्थक आपस में भिड़ गए। पुलिस ने 20 से ज्यादा एमएनएस कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया है। ठाकरे यहां गडकरी हॉल में पार्टी के कार्यक्रम में पहुंचे थे।

इजरायल के साथ खुलकर आया मुस्लिम देश जॉर्डन

तेल अवीव (एजेंसी)। तेहरान में हमास चीफ इस्माइल हानिया की मौत के बाद इजरायल पर ईरान के हमले का डर बना हुआ है। ईरान चेतावनी दे चुका है कि वह हमला करेगा। वहीं इजरायल ने कहा है कि वह भी

जवाबी कार्रवाई करेगा। इस बीच इजरायल के लिए एक अच्छी खबर सामने आई है। उसका एक पड़ोसी मुस्लिम देश ईरान पर पलटवार करने के लिए अपना एयरस्पेस देगा। यह देश जॉर्डन है। जॉर्डन सरकार के आधिकारी रुख के बावजूद यह इजाजत दी जा सकती है। इजरायली चैनल 12 की रिपोर्ट के मुताबिक एक हाई रैंकिंग स्रोत ने इससे जुड़ी जानकारी दी है।

देश में जाति व्यवस्था से 'एकजुट' रहा भारतीय समाज

● आरएसएस की पत्रिका पांचजन्य ने की जाति व्यवस्था की तारीफ

कहा-मुगलों-ईसाई मिशनरियों के निशाने पर रही है जाति व्यवस्था

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीजेपी के सांसद अनुराग ठाकुर ने हाल ही में लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की जाति पूछी थी और इसे लेकर तब विवाद भी हुआ था। अब राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मुखपत्र पांचजन्य के

ताजा अंक में जाति व्यवस्था को सही ठहराने की कोशिश की गई है। पांचजन्य ने अपने संपादकीय में जाति व्यवस्था को भारतीय समाज को एकजुट रखने की वजह÷ बताया है। पांचजन्य ने कहा है कि मुगल शासक इसे नहीं समझ सके थे और अंग्रेज इसे भारत पर अपने आक्रमण के रास्ते में एक रुकावट समझते थे। पांचजन्य के संपादक हितेश शंकर की ओर से लिखे गए संपादकीय में कहा गया है कि जाति व्यवस्था एक श्रृंखला थी जिसने भारत के अलग-अलग वर्गों को उनके पेशे और परंपराओं के अलग-अलग होने के बाद भी उन्हें जोड़े रखा। औद्योगिक क्रांति के बाद पूंजीपतियों ने जाति व्यवस्था को भारत के पहरेदार के रूप में देखा था। हितेश शंकर ने संपादकीय में तर्क दिया है कि जाति व्यवस्था हमेशा आक्रमणकारियों के निशाने पर थी।

जातिगत भेदभाव भारतीय समाज के लिए अभिशाप

आरएसएस ने अपनी स्थापना के बाद से ही अस्पृश्यता यानी अनटचैबिलिटी के खिलाफ अभियान भी चलाया है। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने कई बार कहा है कि जातिगत भेदभाव भारतीय समाज के लिए अभिशाप है और इसे खत्म कर दिया जाना चाहिए। संघ से जुड़े हुए लोग कई बार यह कहने में गर्व महसूस करते हैं कि वह अपने सहयोगियों की जाति नहीं जानते। पिछले साल मोहन भागवत ने कहा था कि नीची जातियों ने 2000 साल तक जिस तरह का भेदभाव झेला है उसकी भरपाई के लिए अगर आरक्षण को 200 साल तक भी जारी रखा जाता है तो संघ इसका समर्थन करेगा। हितेश शंकर ने अपने संपादकीय में तर्क दिया है कि पीढ़ी दर पीढ़ी जातियों को मिला हुआ यह एक ऐसा कौशल था जिसकी वजह से बंगाल के भारतीय बुनकर अपने काम में इतने शानदार थे कि मैनचेस्टर की मिलें इतनी बेहतर गुणवत्ता वाले उत्पाद नहीं बना सकती थीं।

पूजा के बाद कुछ और आईएएस की जल्द बढ़ सकती हैं मुश्किलें

पुणे के आरटीआई एक्टीविस्ट को मिल गया जवाब

पुणे (एजेंसी)। महाराष्ट्र की बर्खास्त ट्रेनी आईएएस अधिकारी पूजा खेडकर के मामले में बड़ा फर्जीवाड़ा उजागर होने के बाद दर्जनभर से अधिकारी दूसरे अधिकारियों की विकलांगता और सर्टिफिकेट पर सवाल खड़े हुए थे। पूजा खेडकर के मामले को सोशल मीडिया पर सबसे पहले बीड के रहने वाले वैभव कोकट ने पोस्ट किया था। तो वहीं दूसरी तरफ इस मामले में पुणे के आरटीआई एक्टीविस्ट विजय कुंभार ने काफी बड़े-बड़े खुलासे किए थे। इसके बाद पूजा खेडकर के खिलाफ एक्शन हुआ था। यूपीएससी ने उनकी उम्मीदवारी को रद्द किया था। अब सामने आया है कि कुछ और सिविल सेवा में चयनित अधिकारी जांच के दायरे में आ सकती है।

गुजरात में रडार पर हैं पांच अधिकारी

विजय कुंभार ने यह सुप्रीम कोर्ट के मौजूदा न्यायाधीश की अध्यक्षता में एक आयोग गठित करने की मांग ऐसे वक्त पर उठाई है। जब सोशल मीडिया से लेकर कई नौकरशाहों ने यूपीएसपी की साख पर खड़े हुए वालों को दूर करने के लिए जांच की मांग हो रही है। गुजरात सरकार के सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी) में अपने स्तर पर जांच में पांच आईएएस का दोबारा मेडिकल कराने का फैसला किया है। इनमें दो आईएएस का मामला काफी सीरियस माना जा रहा है।

देश में मप्र और मप्र में शिवपुरी आगे

वर्षों से कच्चे मकानों में रहने वाले जनजातीय सहरिया परिवारों को मिली खुशियां

पंचायत मंत्री श्री प्रहलाद पटेल ने हितग्राही सहरिया परिवारों को नए घर की दी बधाई

देश की पहली प्रधानमंत्री जनमन कॉलोनी शिवपुरी में

भोपाल। मध्यप्रदेश देश में प्रधानमंत्री आदिवासी जनमन महाभियान में विशेष रूप से पिछड़े जनजातीय परिवारों के लिये पक्का आवास बनाने में सबसे आगे है। मध्यप्रदेश में कुल 1,13,433 जनमन आवास स्वीकृत हुए थे। इनमें से 22,619 आवास बनाकर मध्यप्रदेश देश में पहले स्थान पर है। उड़ीसा 1620 आवासों के साथ दूसरे, छत्तीसगढ़ 526 अवास बनाकर तीसरे और राजस्थान 87 आवास बनाकर चौथे स्थान पर है। प्रदेश में शिवपुरी में सबसे ज्यादा 4443 आवास बने हैं। उमरिया 3264 आवास बनाकर दूसरे और शहडोल 3164 आवासों के साथ तीसरे, मंडला 2112 आवासों के साथ चौथे और अनूपपुर 1891 के साथ पांचवे स्थान पर है। इसके साथ ही देश की पहली प्रधानमंत्री जनमन कालोनी शिवपुरी में बनाकर मध्यप्रदेश ने बड़ी

उपलब्धि हासिल की है।

पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री प्रहलाद पटेल शिवपुरी जनपद पंचायत की हातौद, कोटा और डबिया ग्राम पंचायतों में बनी देश की पहली पीएम जनमन कॉलोनी का निरीक्षण किया। उन्होंने नए पीएम जनमन आवास में सहरिया जनजाति के हितग्राही परिवारों से चर्चा की। उन्होंने सहरिया परिवारों का स्वागत किया और नया घर मिलने की बधाई दी। सहरिया परिवार की बहनों ने उन्हें राखी बांधी। श्री पटेल ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की ओर से भी हितग्राही परिवारों को बधाई और शुभकामनाएं दी। पंचायत मंत्री ने कहा कि देश में सबसे पहला जनमन आवास बनाने वाला जिला शिवपुरी है और सबसे पहले जनमन कॉलोनी बनाने का रेकार्ड बनाने वाले जिला भी शिवपुरी है। मध्य प्रदेश देश में सबसे ऊपर हैं। इस उपलब्धि के लिए सभी अधिकारियों की टीम को उन्होंने बधाई और शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी जी द्वारा प्रधानमंत्री आदिवासी न्याय महाअभियान शुरू होने के 23 दिन के भीतर ही शिवपुरी में पहला आवास बन गया था और 29 दिनों में छिंदवाड़ा में दूसरा आवास बना। उन्होंने हितग्राही सहरिया परिवारों से आग्रह किया कि पक्का घर मिलने के साथ ही बच्चों की पढ़ाई पर और ज्यादा ध्यान दें। पढ़ाई और बचपन पर बच्चों का अधिकार है। इस अधिकार से उन्हे दूर नही करें। मिलकर सामाजिक कुरीतियों से लड़े और उनका त्याग करें। नशे की प्रवृत्ति को कभी भी पनपने नहीं दें। उन्होंने कहा की आवास के साथ बिजली, पानी, सड़क और स्वास्थ्य की सुविधा एक साथ मिलना भी सहरिया परिवारों के लिए सबसे बड़ी सहूलियत हैं। पीएम जनमन में एक लाख से अधिक आवासों में पहली किश्त प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने सिंगल क्लिक से दी थी। कॉलोनी के साथ-साथ रोड, पानी, बिजली, सामुदायिक भवन, चौपाल की सुविधाएँ भी दी जा रही हैं।

उपलब्धियां

देश में सबसे पहले पीएम जनमन आवास शिवपुरी ब्लॉक की कलोथरा पंचायत के भागचंद्र आदिवासी को मिला था। देश में सबसे पहले 500 पीएम जनमन आवास भी शिवपुरी ब्लॉक में पूरे हुये और अब देश की पहली पीएम जनमन कॉलोनी भी शिवपुरी ब्लॉक ने पूरी कर ली है।

सहरिया हितग्राहियों के बेहद आकर्षक एवं गुणवत्तापूर्ण आवास बन गये हैं। सहरिया परिवार अति पिछड़ी जनजातियों में शामिल हैं। उनके लिए यह पहल अत्यंत सार्थक साबित हुई है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 15 जनवरी को शिवपुरी की विद्या और ललिता आदिवासी से चर्चा की थी।

कोलकाता डॉक्टर मर्डर

आरोपी ने कबूला अपराध मोबाइल में मिले पोर्न वीडियो

घटनास्थल पर ईयरफोन छोड़ा था, सीसीटीवी में भी दिखा, इसी से पकड़ा गया

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता के एक सरकारी अस्पताल में एक महिला प्रशिक्षु डॉक्टर की हत्या और यौन उत्पीड़न के आरोपी ने अपना अपराध कबूल कर लिया है। कोलकाता पुलिस के सूत्रों ने इसकी जानकारी दी है। आरोपी संजय रॉय के मोबाइल में एक पोर्न वीडियो भी मिला है। सूत्रों के अनुसार, संजय रॉय एक सिविक पुलिस के तौर पर पहचाना जाता है। इसे मूल रूप से बंगाल में पुलिस की सहायता के लिए बनाया गया था और यह पुलिस कल्याण बोर्ड का भी हिस्सा था। यही कारण है कि वह अस्पताल में आसानी से आ-जा सकता था। उसे सुबह करीब 4 बजे अस्पताल में प्रवेश करते देखा गया। सीसीटीवी फुटेज में वह पुलिस से पूछताछ करता हुआ दिखाई दे रहा है। सूत्रों के हवाले से कहा है कि आरोपी का ईयरफोन एक बहुत ही महत्वपूर्ण सुराग है क्योंकि वह अस्पताल में प्रवेश करते समय ईयरफोन लगाए हुए था। हालांकि, जब वह बाहर निकला तो

यह ईयरफोन वहां नहीं था। सूत्रों का कहना है कि पुलिस ने यह ईयरफोन जब्त कर लिया। इससे उसे इस केस को सुलझाने में मदद मिली। आपको बता दें कि रॉय को शनिवार को गिरफ्तार किया गया और उसे 14 दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया। आरोपी पर बीएनएस की धारा 64 (बलात्कार) और 103 (हत्या) के तहत आरोप लगाए गए और उसे सियालदह अदालत में पेश किया गया। वहां उसे 23 अगस्त तक पुलिस हिरासत में भेज दिया। एक्स पर एक पोस्ट में राजभवन ने कहा कि राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने राज्य सरकार से मामले में तत्काल कार्रवाई करने और एक रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा है।

रेपिस्टों का सीधा एनकाउंटर कर दिया जाना चाहिए

● कोलकाता डॉक्टर मर्डर केस में अभिषेक बनर्जी की तीखी प्रतिक्रिया

कोलकाता (एजेंसी)। तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अभिषेक बनर्जी ने कोलकाता में डॉक्टर रेप और मर्डर केस पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने साफ-साफ कहा है कि ऐसे हैवानों का सीधा

एनकाउंटर कर दिया जाना चाहिए। इसके अलावा उन्होंने बलात्कारियों और हत्यारों पर त्वरित गति से मुकदमा चलाने और एक सप्ताह के भीतर सजा सुनाने के लिए संसद में एक विधेयक पेश करने का आह्वान किया है, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि उन्हें अनुकरणीय सजा मिले। उन्होंने पश्चिम बंगाल के डायमंड हार्बर निर्वाचन क्षेत्र के आमतला में एक प्रशासनिक बैठक के बाद यह टिप्पणियां कीं।

व्यंजनों के माध्यम से दिखी सिंधी संस्कृति के विरासत की महक

सिंधी मेला समिति द्वारा आयोजित,कुकिंग कॉम्पिटिशन के पहला दिन

भोपाल। सिंधी मेला समिति द्वारा भोपाल में तीन दिवसीय कुकिंग कॉम्पिटिशन का आगाज़ आज से प्रारंभ हो गया। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय संपर्क प्रमुख श्री रामलाल जी, मध्य भारत प्रांत संघचालक श्री अशोक जी पांडे,प्रांत संपर्क प्रमुख सुनील जी जैन, भोपाल दक्षिण विधानसभा के विधायक बीजेपी कार्यालय प्रभारी श्री भगवानदास सबनानी, सिंधी मेला समिति के अध्यक्ष मनीष दरयानी, महासचिव नरेश तलरेजा ने विशेष रूप से

आज 8 सेंटरों पर चल रही इस प्रतियोगिता का अवलोकन किया, जिसमें सिंधी की महिलाओं ने बड़-चढ़ कर हिस्सा लिया, भोपाल में बावड़ियाँ कला स्थित सिंधी महिलाओं ने 41 प्रकार की सिंधी व्यंजनों को विशेष रूप से तैयार किया था जिसमें बिह पटाटा, साई भाद्दी, सेल मानी, खुराक, सिंगर जी मिठाई जैसे अनेक व्यंजन तैयार कर सिंध की पुरानी यादों को इन व्यंजनो के माध्यम से तरो ताजा कर दिया। इसी तरह कोटरा सुलतानाबाद, प्रभु नगर ईदगाह, सिंधी कॉलोनी, कवरराम कॉलोनी, स्वागत गार्डन में भी इसी तरह का अपनी संस्कृति का जुड़ाव देखने को मिला, साथ ही इस प्रतियोगिता में 80 वर्ष तक की महिलाओं ने इस प्रतियोगिता में भाग लिया।

भस्म आरती दर्शन

त्रिपुण्ड ऊँ बिलपत्र की माला और आभूषण अर्पित कर बाबा महाकाल का श्रृंगार

उज्जैन (एजेंसी)। विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में रविवार तड़के भस्म आरती के दौरान चार बजे मंदिर के कपाट खोले गए। सबसे पहले सभा मंडप में वीरभद्र जी के कान में स्वस्ति वाचन कर घंटी बजाकर भगवान से आज्ञा लेकर सभा मंडप वाले चांदी के पट खोला गया। गर्भगृह के पट खोलकर पुजारी भगवान का श्रृंगार उतार कर पंचामृत पूजन के बाद कर्पूर आरती की। इसके बाद नंदी हाल में लगे चांदी के पट खोले गए। नंदी जी का स्नान,ध्यान, पूजन किया गया। जल से भगवान महाकाल का अभिषेक करने के पश्चात दूध,दही,घी,शक्कर शहद फलों के रस से बने पंचामृत से पूजन किया गया। भांग चन्दन ड्रायफ्रूट और आभूषणों से बाबा महाकाल का राजा स्वरूप दिव्य श्रृंगार किया गया। रजत का त्रिपुण्ड, चंद्र अर्पित कर भगवान महाकाल को भस्म चढ़ाई गई, शेषनाग का रजत मुकुट रजत की मुण्डमाल और रुद्राक्ष की माला के साथ-साथ सुगन्धित पुष्प से बनी फूलों की माला धारण की भगवान महाकाल ने। फल और मिष्ठान का भोग लगाया।भस्म आरती में बड़ी संख्या में पहुंचे श्रद्धालुओं ने बाबा महाकाल का आशीर्वाद लिया। महा निर्वाणी अखाड़े की और से भगवान महाकाल को भस्म अर्पित की गयी। मान्यता है की भस्म अर्पित करने के बाद भगवान निराकार से साकार रूप में दर्शन देते है।

नीट की छात्रा को परेशान करने वाले स्टूडेंट पर केस

पिता को फोन पर कहा- बेटी को काटकर फेंक दूंगा

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर के पलासिया में नीट की छात्रा को परेशान कर मोबाइल पर धमकाने का मामला सामने आया है। आरोपी छात्र छात्रा को पहले से जानता है। वह मोबाइल पर कॉल कर छात्रा को धमका रहा था। छात्रा नहीं मानी तो उसके माता-पिता को परेशान करना शुरू कर दिया। इसके बाद छात्रा ने पुलिस से शिकायत कर दी। पलासिया पुलिस के मुताबिक छात्रा गीता भवन स्थित कोंचिग से नीट की तैयारी कर रही है। उसने बताया कि एक साल पहले उसकी दोस्ती सार्थक श्रीवास्तव से हुई। पढ़ाई के लिए सोशल मीडिया पर बने स्टडी ग्रुप में सार्थक भी जुड़ा था। उसने मेरा नंबर वहीं से लिया। उससे अकसर पढ़ाई के संबंध में बात होती थी। लेकिन 12वीं का रिजल्ट आने के बाद बातचीत बंद हो गई। इसके बाद मैंने नया नंबर ले लिया। यह नंबर सार्थक ने मेरी सहेली से लिया और मुझे कॉल किया। मैंने बातचीत करने से मना किया तो वह मुझे गालियां देने लगा। इसके बाद उसने मेरे पिता को फोन किया। उन्हें धमकी दी कि घर में घुसकर बेटी को काटकर फेंक देगा। इसके बाद वह अलग-अलग नंबरों से छात्रा और उसके माता-पिता को कॉल कर धमकियां देने लगा। इससे परेशान होकर छात्रा ने पुलिस से शिकायत दर्ज करा दी। शिकायत के बाद पुलिस सार्थक की तलाश कर रही है।

सेज यूनिवर्सिटी के होस्टल इंजार्च को लूटा

पुणे से लौटते समय बायपास पर न्यूयॉर्क सिटी के नजदीक वारदात

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर की सेज यूनिवर्सिटी के होस्टल इंचार्ज को पुणे से इंदौर लौटते समय रास्ते में लूट लिया। बदमाश कार में सवार होकर आए थे। बदमाशों ने सोने की चेन, बैग और कार की चाबी लूटी और भाग गए। पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है। राऊ पुलिस के मुताबिक श्याम शुक्ला की शिकायत पर अज्ञात लुटेरों के खिलाफ केस दर्ज किया है। श्याम ने बताया कि वह यूनिवर्सिटी में होस्टल इंचार्ज है। 7 अगस्त की सुबह वह पुणे से इंदौर आ रहे थे। वे कार से न्यूयॉर्क सिटी के यहां अंडर ब्रिज के पास रुके। तभी सफेद रंग की कार से बदमाश आए और हथियार की नोंक पर धमकाने लगे। बदमाशों ने सोने की चेन छीनी, कार से बैग उठाया और कार की चाबी छीन कर भाग गए। घबराहट में वह कार का नंबर भी नहीं देख पाए। कुछ देर बाद कॉलेज स्टूडेंट वहां से निकले तो उन्हें पूरी घटना की जानकारी दी। इसके बाद पुलिस से मामले की शिकायत की। पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है। राऊ पुलिस ने कहा कि जल्द ही मामले में खुलासा किया जाएगा।

बार के बाहर शराबियों ने की पिटाई

शराब पीने की बात पर किया विवाद, मारपीट के बाद कार में बैठकर भागे बदमाश

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर के कनाड़िया थाना क्षेत्र में एक बिजनेसमैन और उसके दोस्त की पब में पिटाई कर दी। बिजनेस मैन ने इस मामले में केस दर्ज कराया है। पुलिस कार नंबर के आधार पर आरोपियों की तलाश कर रही है। कनाड़िया पुलिस के मुताबिक कार्तिक निदरवाल ने बताया कि वह अपने दोस्त संस्कार जैन के साथ दोस्त ऋषभ की बर्थडे पार्टी मनाने केव रेस्टोरेंट और बार यूनो बिजनेस पार्क पहुंचे थे। रात में करीब साढ़े ग्यारह बजे घर आने के लिये बार से बाहर निकले। तभी लिफ्ट के सामने कुछ अज्ञात शराबी आए। वे हमारे लिफ्ट से निकलते ही उन्होंने कार्तिक और संस्कार को गालियां देकर विवाद करने लगे। दोनों ने रोका पर वे नहीं माने और हम सभी की पिटाई कर दी। हमारे सिर-पैर और चेहरे पर चोट आई। इसके बाद सभी शराबी कार में सवार होकर भाग गए।

इंदौर में चांदीपुरा वायरस का संदिग्ध मरीज

• सैंपल जांच के लिए पुणे लैब भेजा • बच्चों को बनाता शिकार, मच्छर और मक्खी से फैलता है संक्रमण

इंदौर (एजेंसी)। खरगोन के 22 साल के एक युवक में चांदीपुरा वायरस जैसे लक्षण मिले हैं। उसे शनिवार को इंदौर के एक प्राइवेट हॉस्पिटल में एडमिट किया है। उसकी हालत गंभीर बताई गई है। सैंपल पुणे लैब भेजा गया है। खरगोन सीएमएचओ डॉ. एमएस सिसोदिया और इंदौर सीएमएचओ डॉ. बीएस सेतिया ने बताया कि मरीज चांदीपुरा वायरस सस्पेक्टेड है। अगले सप्ताह रिपोर्ट मिलने के बाद ही स्थिति स्पष्ट होगी। मामला कसरावद क्षेत्र के पीपलगोन में रहने वाले 22 वर्षीय युवक का है। उसे इंदौर एडमिट किया गया था। इस पर इंदौर स्वास्थ्य विभाग ने खरगोन सीएमओ को सूचना दी। इसके बाद स्वास्थ्य विभाग की टीम ने शनिवार दोपहर पीपलगोन में सघन सर्वे भी किया। यहां टीम को अन्य कोई संदिग्ध मरीज नहीं मिला है।

चांदीपुरा वायरस क्या है

चांदीपुरा वायरस नाम सुनने में नया लग सकता है, लेकिन ऐसा नहीं है। इसका पहला केस 1965 में महाराष्ट्र के एक गांव चांदीपुरा में सामने आया था। इसीलिए इसका नाम चांदीपुरा पड़ गया। इस बार मप्र सहित गुजरात और राजस्थान में तेजी से इसके केस बढ़ रहे हैं। इसलिए यह फिर से चर्चा में आ गया है। इस वायरस का संबंध बैकुलोवायरस से है। इसका मतलब है कि यह मच्छर, टिक और सैंड फ्लाई (रेत मक्खी) जैसे वेक्टर के काटने से फैलता है। चांदीपुरा वायरस के लिए कोई विशेष एंटी वायरल उपचार उपलब्ध नहीं है। चूंकि यह घातक बीमारी है और इसके लक्षण तेजी से बिगड़ सकते हैं। इसलिए जरूरी है कि जांच में इसका समय पर पता लगाया जा सके और इलाज के समय ठीक से देखभाल हो।

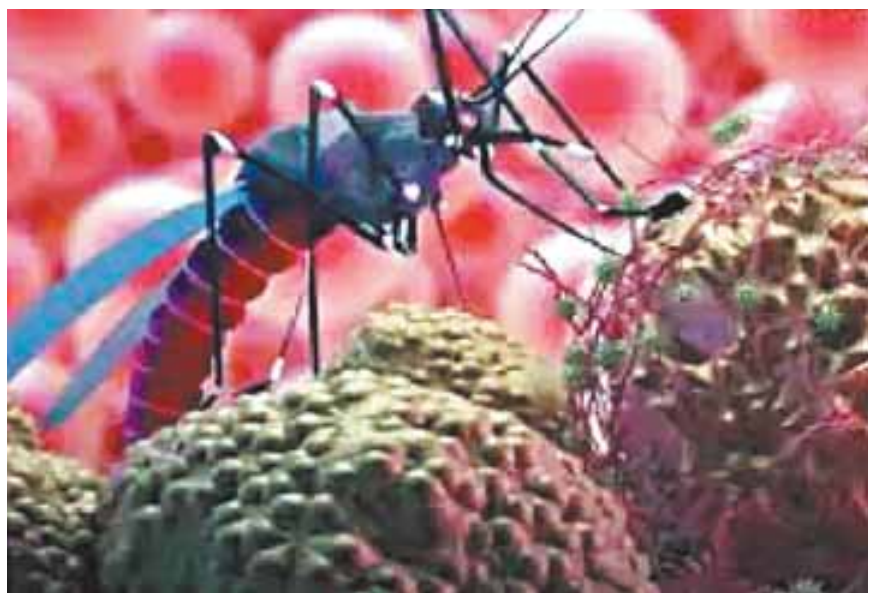

चांदीपुरा वायरस के क्या लक्षण हैं

इसके संक्रमण से एन्सेफलाइटिस होने का खतरा होता है। इसका अर्थ है कि वायरस के संक्रमण से मस्तिष्क के टिश्यूज में सूजन या जलन होने लगती है। आमतौर पर तेज बुखार इसका शुरुआती लक्षण होता है।

चांदीपुरा वायरस से संक्रमित आधे से अधिक लोगों की हो जाती है मौत: द लैंसेट में साल 2003 में पब्लिश एक स्टडी के मुताबिक, चांदीपुरा वायरस का सबसे खतरनाक पहलू इसका डेथ रेट है। जब साल 2003-2004 में यह मध्य भारत में तेजी से फैला था तो फैटेलिटी रेट (मृत्यु दर) 56-75त्न तक थी। इसका मतलब हुआ कि चांदीपुरा वायरस से संक्रमित आधे से अधिक लोगों की मौत हो जाती है। इसमें छोटे बच्चों की संख्या अधिक होती है क्योंकि उनका दिमाग तीव्र सूजन सहन कर पाने में सक्षम नहीं होता है। चांदीपुरा वायरस इसलिए अधिक खतरनाक है कि इसके लक्षण एकदम अचानक आते हैं और तेजी से बिगड़ते चले जाते हैं। अगर समय पर सही इलाज और देखभाल न मिले तो घातक हो जाते हैं। यही कारण है कि गुजरात के गांवों में इसे लेकर लोगों को अधिक जागरुक किया जा रहा है।

चांदीपुरा वायरस के इन्फेक्शन से बचाव के क्या उपाय हैं

- **हाइजीन बनाए रखें-** नियमित रूप से साबुन और पानी से हाथ धोते रहें। अगर संभावित रूप से संक्रमित वातावरण या जानवरों के संपर्क में आए हैं तो सफाई का विशेष रूप से ध्यान रखें।
- **जानवरों से बचाव-** चांदीपुरा वायरस जंगली और घरेलू जानवरों में भी फैल सकता है। उनके रहने के स्थान के आसपास रह रहे कीड़े और मच्छर संक्रमण के वाहक बन सकते हैं। इसलिए जब भी जानवरों के आसपास जाएं तो पूरे बाजू के कपड़े पहनकर जाएं।
- **व्यक्तिगत सुरक्षा जरूरी-** संभावित रूप से संक्रमित जानवरों को संभालते समय दस्ताने और मास्क जैसी जरूरी सुरक्षात्मक चीजें पहनकर रखें। इससे संक्रमण के जोखिम को कम किया जा सकता है।
- **वेक्टर नियंत्रण जरूरी-** इस वायरस को फैलाने में कीड़े और मच्छरों की संभावित भूमिका अधिक है। इसलिए जोखिम कम करने के लिए कीड़े भगाने वाली दवा और मच्छरदानी का उपयोग करना चाहिए।
- **इम्यूनिटी मजबूत रखें-** फल और सब्जियों से भरपूर भोजन करें। कोशिश करें कि इसमें विटामिन सी से भरपूर फल और सब्जियां अधिक हों। रोजाना एक्सरसाइज करें। रोज 7 से 8 गिलास पानी पिएं। इससे इम्यूनिटी मजबूत रहेगी तो इन्फेक्शन के खतरे कम हो जाएंगे।

कलेक्टर आशीष सिंह ने बैठक में दी समझाइश

पीओपी की प्रतिमाएं न तो बनाई जा सकेंगी न ही बिक्री होंगी, जलाशयों में विसर्जन पर भी पाबंदी

इंदौर (एजेंसी)। जिले में अब कहीं भी प्लास्टर ऑफ पेरिस (पीओपी) की प्रतिमा नहीं बना सकेंगे। प्रशासन ने शनिवार को मूर्ति निर्माताओं व विक्रेताओं की बैठक लेकर दो टूक कहा कि वे प्राकृतिक रंगों और मिट्टी से ही मूर्ति बनाएं। गैर प्राकृतिक चीजों के इस्तेमाल से बनाई गई मूर्तियां मान्य नहीं होंगी। जलाशयों में भी इनके विसर्जन पर पाबंदी रहेगी। इसके बाद भी यदि पीओपी की मूर्तियो का कारोबार करने का प्रयास किया तो सख्त कार्रवाई होगी। कलेक्टर आशीष सिंह ने मूर्ति निर्माण के संबंध में नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) की गाइड लाइन का पालन करने के निर्देश दिए। मूर्ति निर्माताओं को सेंट्रल जोनल बेंच (भोपाल) व केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के कायदों से भी अवगत कराया। मूर्तिकारों को पीओपी व घातक रसायनों से बने रंगों से मानव स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभावों की जानकारी दी। बैठक में मूर्तिकारों के साथ पुलिस, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड व नगर निगम के अधिकारी उपस्थित थे।

मूर्तिकारों के लिए प्रशासन की गाइड लाइन

1. मूर्ति निर्माण में परंपरागत कच्ची मिट्टी का ही उपयोग हो। पकी हुई मिट्टी, पीओपी या किसी प्रकार के केमिकल व रासायनिक वस्तुओं का उपयोग प्रतिबंधित है। पीओपी के विकल्प के रूप में अन्य प्राकृतिक सामग्री जैसे पानी में गला हुआ पेपर, नारियल के रेशे आदि का इस्तेमाल भी कर सकते हैं।
2. मूर्ति पर कलर के लिए प्राकृतिक रंगों व गैर विषाक्त रंगों का इस्तेमाल करना होगा। रासायनिक व जहरीले रंगों का इस्तेमाल प्रतिबंधित रहेगा।
3. जिले में केवल मिट्टी से निर्मित प्रतिमाओं का ही उत्पादन व विक्रय किया जा सकेगा। रासायनिक पदार्थों से बनाई जाने वाली प्रतिमाओं का उत्पादन, विक्रय, बाहर ले जाने या बाहर से लाने पर प्रतिबंध रहेगा।
4. मूर्तिकारों द्वारा यदि पीओपी व अन्य रासायनिक पदार्थों से पहले ही मूर्तियां बना ली गई हैं तो उनके स्टॉक की जानकारी लिखित में देना होगी। त्योहार पर मनमाने तरीके से इनको बेचने का प्रयास नहीं करें।
5. नगर निगम व स्थानीय निकाय स्थानीय स्तर पर मूर्ति विसर्जन के लिए पर्यावरण की दृष्टि से सुरक्षित स्थलों को नोटिफाई करेंगे। निकाय द्वारा कुण्ड बनाकर या चिह्नित जल स्रोत में ही मूर्तियों का विसर्जन कराया जाएगा। नदी व तालाबों में किसी भी सूरत में गैर पारंपरिक वस्तुओं से निर्मित मूर्तियों का विसर्जन प्रतिबंधित रहेगा।

गणेशोत्सव में नवाचार

पहली बार एआई से डिजाइन प्रतिमाएं

• बनारस के घाट, बाबा अमरनाथ के दर्शन भी

इंदौर (एजेंसी)। गणेशोत्सव में इस बार आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की एंट्री हो गई है। इस बार के गणेशोत्सव में आपको गणेशजी, पंडाल अलग-अलग स्वरूप में एआई से बने नजर आएंगे। बड़े गणेशोत्सव से जुड़े कई आयोजकों ने एआई से डिजाइन तैयार करवाकर पंडाल की डिजाइन फाइनल कर दी है। मूर्तिकार से लेकर पंडाल तैयार करने वाले लोगों को वैसी ही डिजाइन के लिए कह भी दिया है। एआई से जो डिजाइन तैयार की है, उनमें काशी का घाट, द्वादश ज्योतिर्लिंग वाले गणेशजी से लेकर शिवलिंग से निकलते हुए गणेशजी की मूर्तियां, बाबा अमरनाथ की प्रतिकृति और उसमें राजा स्वरूप में विराजे गणेशजी शामिल हैं।

काशी के घाट की प्रतिकृति

41 साल पुरानी सार्वजनिक महोत्सव समिति, जयरामपुर कॉलोनी में इस बार पंडाल के बाहर काशी के घाट की प्रतिकृति और अंदर शिवलिंग से प्रकट होती गणेशजी की मूर्ति रहेगी। पंडाल के एक ओर द्वादश ज्योतिर्लिंग भी रहेंगे। समिति के सचिव अनिल आगा कहते हैं गणेशोत्सव और पंडाल की डिजाइन एआई से तैयार करवाई है। इसकी तैयारियां भी शुरू हो गई हैं। 41 साल में पहला मौका है, जब डिजाइन अलग तरह से तैयार करवाई गई। इस बार का गणेशोत्सव सबसे अलग और भव्यता लिए रहेगा। लोगों को और बेहतर पंडाल-गणेशजी का स्वरूप देखने को मिले, इसलिए समिति ने इस तरह की डिजाइन तैयार करवा दी।

तीन इमली पर विराजेंगे पालदा के राजा

तीन इमली चौराहे पर इस बार बाबा अमरनाथ की प्रतिकृति बनाई जाएगी और उसमें पालदा के राजा विराजेंगे। मालवा कला अकादमी के अध्यक्ष मनोज वर्मा ने कहा- गणेशजी की मूर्ति मुंबई से बुलवाई जाएगी। अनंत चतुर्दशी पर गणेशजी को मुंबई के समुद्र में ले जाकर विसर्जित किया जाएगा। उन्होंने कहा- 36वें वर्ष के गणेशोत्सव को समिति खास बनाएगी। इस बार पंडाल की डिजाइन एआई से फाइनल करवाई जा रही है। आयोजन को और कितना भव्य किया जा सकता है, इसे लेकर जल्द बैठक भी होगी।

मुनि प्रमाण सागरजी के सान्निध्य में मना मोक्ष कल्याण

• इंदौर में कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने चढ़ाया निर्माण लाडू

इंदौर (एजेंसी)। मोक्ष सप्तमी पर रविवार को रेसकोर्स रोड स्थित मोहताबाग में मुनि प्रमाण सागर जी महाराज ससंघ के सान्निध्य में भगवान का मोक्ष कल्याण मनाया गया। इस अवसर पर दिगम्बर जैन तीर्थ क्षेत्र निर्देशिका का विमोचन भी किया गया। धर्म समाज प्रचारक राजेश जैन दद्दू ने बताया कि इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने निर्माण लाडू चढ़ाया। इस दौरान सामूहिक रूप से आरती की गई। इस दौरान विजयवर्गीय के साथ भारतवर्षीय तीर्थ क्षेत्र कमेटी के राष्ट्रीय मंत्री हसमुख गांधी, महावीर ट्रस्ट के अध्यक्ष अमित कासलीवाल, चातुर्मास समिति के प्रमुख मुकेश पाटोदी, अशोक दोशी, चातुर्मास समीति के अध्यक्ष नवीन गोधा, धर्म प्रभावना समीति के सदस्य जैनेश झांझरी, संजय जैन एवं हजारों समाज जन की उपस्थिति में तीर्थ निर्देशिका का विमोचन भी किया गया।

सरकारी नौकरी का झांसा देकर महिला ने ठगे 39 लाख

इंदौर मेट्रो, क्राइम ब्रांच से लेकर रेलवे में नौकरी का लालच ; डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन-मेडिकल तक कराया

इंदौर (एजेंसी)। सरकारी नौकरी लगाने के नाम पर महिला के द्वारा ठगी का मामला सामने आया है। पीड़ितों ने पुलिस को शिकायत की है। झांसे में एक पंडित भी आ गए। रिश्तेदारों से करीब 9 लाख रुपए लेकर उन्होंने ठग महिला को दिए। लेकिन न नौकरी लगी न रुपए वापस मिले। अलग-अलग सरकारी डिपार्टमेंट में नौकरी लगाने का कहकर महिला लोगों से 39 लाख से ज्यादा की ठगी कर चुकी है। जानिए क्या है पूरा मामला।

10वीं पास युवक को 4 अलग-अलग विभागों का झांसा देती रही ठग महिला: पीथमपुर निवासी रोहित चौहान (28) ने बताया कि साल 2022 में वो आरोपी महिला रवीना के संपर्क में आया था। तब वो टीसीएस में गार्ड की नौकरी करता था। रवीना ने उसे महिला बाल विकास विभाग में सुपर वाइजर की नौकरी दिलवाने की बात कही थी। इसके एवज में 3 लाख रुपए मांगे थे। नवंबर 2022 में रोहित ने रवीना को छावनी स्थित मथुरावाला स्वीट्स पर नकद 3 लाख रुपए दे दिए। इसके बाद बहाने बनाने का खेल शुरू हुआ। रवीना ने कहा कि महिला बाल विकास विभाग में दिक्कत आ रही है, वो एग्रीकल्चर विभाग में सुपरवाइजर के पद पर नौकरी लगा देगी। लेकिन यहां भी नौकरी नहीं लगवाई। बाद में उसने रेलवे में पार्सल डिपार्टमेंट में नौकरी लगाने का झांसा दिया। इतना ही नहीं फरवरी 2023 में रोहित और एक अन्य निलेश नामक व्यक्ति को ट्रेनिंग के लिए मुरैना तक भेजा। 7-8 दिन दोनों वहां रहे। दो अन्य लोग आए और रोहित-नीलेश को मालगाड़ी दिखाने ले गए। लेकिन कुछ नहीं हुआ। दोनों को रवीना ने वापस बुला लिया। आखिर में रेलवे की भी नौकरी कैंसिल कर रवीना ने रोहित को डाक विभाग में भर्ती करवाने का कहा। इसके लिए ऑर्बिट मॉल पर अनिल नामक व्यक्ति के पास भेजा। उसने रोहित का डॉक्यूमेंट वैरिफिकेशन किए। रोहित 10वीं पास है। बाद में वहां भी कुछ नहीं हुआ। अब तक रोहित को समझ आ गया था कि उसके साथ ठगी हुई है। उसने रवीना से रुपए मांगे तो वो आनाकानी करने लगी। बाद में 40 हजार रुपए और टुकड़ों-टुकड़ों में कुछ रुपए लौटाए। रोहित का कहना है कि अभी भी 2 लाख से ज्यादा रुपए फंसे हुए हैं। रोहित ने पहले आजाद नगर थाने में शिकायत की। लेकिन वहां से भंवरकुआं थाने भेजा गया। बाद में संयोगितागंज थाने भेजा गया। यहां एसीपी को उसने ठग महिला रवीना की शिकायत की है।

संपादकीय

हिंडनबर्ग रिपोर्ट- सच्चाई क्या है?

अमेरिका की विवादास्पद शॉर्ट सेलर फंड कंपनी हिंडनबर्ग रिसर्च ने इस बार अडाणी के बजाए सीधे भारत में बाजार नियामक कंपनी सेबी की चेयर पर्सन माधबी पुरी बुच और उनके पति धवल बुच को घेरा है। आरोप है कि कंपनी ने व्हिसल ब्लोअर दस्तावेजों का हवाला देते हुए कहा कि सेबी चेयरपर्सन और उनके पति धवल बुच की उन ऑफ़शोर कंपनियों में हिस्सेदारी रही है, जो अडाणी समूह की वित्तीय अनियमितताओं से जुड़ी हुई थीं। रिपोर्ट में कहा गया है कि आज तक सेबी ने अदाणी की दूसरी संदिग्ध शेयर होल्डर कंपनियों पर कोई कार्रवाई नहीं की है जो इंडिया इन्फोलाइन की ईएम रिसर्जेंट फंड और इंडिया फोकस फंड की ओर से संचालित की जाती है। सेबी चेयरपर्सन के हितों के इस संघर्ष की वजह से बाज़ार नियामक की पारदर्शिता संदिग्ध हो गई है। सेबी की लीडरशिप को लेकर रिपोर्ट में चिंता जताई जा रही है। हिंडनबर्ग ने कहा है कि अडाणी समूह की वित्तीय अनियमितताओं में जिन ऑफशोर फंड्स की संलिप्तता रही है वो काफी अस्पष्ट और जटिल स्ट्रक्चर वाले हैं। रिपोर्ट में माधबी पुरी बुच के निजी हितों और बाजार नियामक प्रमुख के तौर पर उनकी भूमिका पर सवाल उठाए हैं। कंपनी ने कहा कि अडाणी ग्रुप को लेकर सेबी ने जो जांच की है उसकी व्यापक जांच होनी चाहिए। हिंडनबर्ग के मुताबिक सेबी में नियुक्ति से कुछ सप्ताह पहले माधबी पुरी बुच ने मॉरीशस के फंड प्रशासक ट्रिडेंट ट्रस्ट को ईमेल किया था। इसमें उनके और उनकी पत्नी के ग्लोबल डायनेमिक ऑप्चर्यूनिटीज फंड में निवेश का ज़िक्र था। माधबी बुच के सेबी अध्यक्ष बनने से पहले उनके पति ने अनुरोध किया था कि संयुक्त खाते को वही ऑपरेट करेंगे। इसका मतलब ये कि वो माधबी बुच के सेबी अध्यक्ष बनने से पहले पत्नी के खाते से सभी एसेट्स हटा देना चाहते थे। इसके बाद सेबी चेयरपर्सन माधबी और उनके पति धवल बुच ने एक बयान जारी कर इन आरोपों का खंडन किया है। अपने संयुक्त बयान में उन्होंने कहा कि हिंडनबर्ग के इन न आरोपों में कोई सच्चाई नहीं है। 'हमारी ज़िंदगी और हमारा वित्तीय लेखा-जोखा खुली किताब की तरह है और पिछले कुछ वर्षों में सेबी को सभी आवश्यक जानकारियां दी गई हैं।' गौरतलब है कि हिंडनबर्ग ने 18 महीने पहले भी अडाणी ग्रुप की कंपनियों के खिलाफ काफी कुछ छापा था, जिसके बाद अडाणी के शेयर धडाम से नीचे गिर गए थे। हालांकि बाद में कंपनी की माली हालत फिर सुधर गई। यह रिपोर्ट कितनी सही है, कहना मुश्किल है। लेकिन इसको लेकर भारत में राजनीति शुरू हो गई है। कांग्रेस ने मांग की है कि हिंडनबर्ग रिसर्च की इस नई रिपोर्ट अडाणी मेगा स्कैम की व्यापकता की जांच के लिए संयुक्त संसदीय समिति बननी चाहिए। वहीं तृणमूल कांग्रेस ने तो सेबी प्रमुख माधबी बुच के इस्तीफे की मांग की है। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने एक्स पर लिखा, ये सेबी चेयरपर्सन बनने के तुरंत बाद बुच के साथ गौतम अदाणी की 2022 में दो बैठकों के बारे में सवाल पैदा करता है। गौरतलब है कि अडाणी लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी पहले से मुखर हैं। वो पीएम मोदी की अडाणी से करीबी पर लगातार हमले करते रहे हैं। ताजा रिपोर्ट के बाद कांग्रेस ने मामले की जांच जेपीसी से कराने की मांग कर दी है। मोदी सरकार इस मामले में क्या कदम उठाती है, यह देखने की बात है। हो सकता है कि हिंडनबर्ग की मंशा ब्लैकमेल करने की हो। अगर ऐसा है तो निंदनीय है। केन्द्र सरकार को चाहिए कि वह पूरे मामले में अपना रूख साफ करे।

नजरिया

रघु ठाकुर

लेखक समाजवादी विचारक हैं।

प्रतिबंध से विचार नहीं मिटते

पिछले अट्ठावन वर्षों से राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ सरकारी कर्मचारियों को एक प्रकार का प्रतिबंधित संगठन जैसा था। यद्यपि संघ शाखाओं पर कोई प्रतिबंध नहीं था परंतु सरकारी कर्मचारियों का आरएसएस शाखा में भाग लेना प्रतिबंधित था। वैसे यह प्रतिबंध भी बहुत प्रभावी नहीं था, क्योंकि संघ की राजनैतिक संतान भारतीय जनता पार्टी के लोग निर्वाचित होकर राज्य और केंद्र की सरकारों में सहभागी बनने लगे थे। और प्रतिबंध केवल शाब्दिक जैसा रह गया था। जब देश के प्रधानमंत्री और गृहमंत्री, राज्यों के मंत्री और मुख्यमंत्री शाखाओं में जाते हैं, उनके चित्र अखबारों में छपते हैं तो प्रतिबंध कहाँ रहेगा? परंतु वर्तमान केंद्र की भाजपा सरकार ने अचानक बगैर किसी मांग के तकनीकी रूप से संघ की शाखा में भाग लेने पर प्रतिबंध को हटा दिया। इससे कई प्रकार की चर्चाएँ शुरू हुई हैं और भारतीय राजनीति के एक धड़े के नेताओं में विशेषतरू इंडिया गठबंधन के नेताओं और मीडिया के एक हिस्से के द्वारा इस बात की आलोचना हो रही है और संघ पर, उसकी राजनैतिक और सांस्कृतिक भूमिका पर, उसके सांस्कृतिक ढांचे पर राष्ट्रव्यापी चर्चा आरंभ हुई है कि केंद्र सरकार के इस आदेश से संघ के लोगों और विशेषकर अधिकारियों, कर्मचारियों को शाखा में जाने की स्वतंत्रता हो जाएगी इसका प्रभाव अन्य लोगों पर पड़ेगा, तथा इससे संघ का प्रभाव और अधिक व्यापक होगा।

देश के कई वरिष्ठ पत्रकारों ने भी ऐसी ही आशंका व्यक्त की और लेख लिखे हैं। एक पत्रकार महोदय ने तो सुप्रीम कोर्ट से अपील की है और यह अपेक्षा की है कि सुप्रीम कोर्ट स्वतरू संज्ञान लेकर भारत सरकार के इस आदेश को निरस्त करें। मैं नहीं समझता हूँ कि इस प्रकरण में सुप्रीम कोर्ट का स्वतः संज्ञान लेना उचित होगा या सुप्रीम कोर्ट लेगा, यह आश्चर्य की बात है कि वे स्वतरू याचिका दायर क्यों नहं कर रहे हैं? और अगर उन्हें अपने लेखन पर विश्वास है तो स्वतः आगे क्यों नहीं आ रहे? जहां तक संघ का राजनैतिक या सांस्कृतिक संगठन होने का प्रश्न है तो पिछले अट्ठावन वर्षों में यह सभी लोग जान चुके हैं कि संघ का मुखौटा सांस्कृतिक है परंतु वास्तव में वह राजनैतिक ही है, जो दल का निर्माण करता है, दलों को बनाता-मिटाता है, चुनाव में हिस्सेदारी करता है और यहाँ तक की प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के लिये नाम तय करता है। भाजपा सरकारों को नियंत्रित करता है और अपने स्वयं सेवकों के माध्यम से सरकारों को चलाता है। संघ की यह भूमिका कोई आज की नहीं है वरन पुरानी है। संघ के दूसरे सरसंघ संचालक और विचार पुरुष स्वर्गीय गोलवलकर जी ने जिन्हें संघ के लोग शास्वत गुरु मानते हैं, ने अपनी पुस्तक श्विचार नवनीत्य में लिखा था कि संघ राजनैतिक दल को बनायेगा या उसे चलायेगा और अगर वह दल उपयोगी नहीं रहा तो उसे खत्म करेगा। उनके शब्दों में बनाया जाने वाला राजनैतिक दल कमल की नली के समान होगा जो जब तक बजेगी तब तक बजायेंगे और जब बजना बंद हो जायेगी तो फिर उसे खा जायेंगे।

यह आश्चर्य की बात है कि संघ की यह भूमिका पिछले अट्ठावन वर्षों से घोषित अघोषित रूप से हो रही है। यह भी आश्चर्यजनक है कि जो कांग्रेस के मित्र अब

कर्मचारियों को संघ शाखा में जाने की अनुमति पर चिंतित है उन्हीं की आजाद भारत की पहली सरकार ने संघ पर प्रतिबंध भी लगाया था और फिर उसे हटाया भी था। इतना ही नहीं संघ को देश में रचनात्मक कार्यों जैसे गणतंत्र दिवस आदि में सहयोग के लिये आमंत्रित किया था। क्या ये कांग्रेस के मित्र इसे अपने सत्ताधीश पुरखों की गलती स्वीकार करेंगे? या फिर केवल बढ़ी हुई ताकत से भयभीत होकर प्रतिबंध की बात उठा रहे हैं।

भले ही औपचारिक रूप से संघ की शाखाओं में सरकारी कर्मचारियों के जाने पर प्रतिबंध लगा हो परंतु उस प्रतिबंध का क्या प्रभाव होगा विशेषकर जब देश का प्रधानमंत्री, गृहमंत्री ही शाखाओं से प्रशिक्षित होकर सत्ता में आया हो, पंद्रह वर्षों तक संघ के लोग केंद्र में सत्ताधीश रह चुके हो और शासन प्रशासन के नियंत्रक तथा कर्ता-धर्ता रहे हों।

मैं इस प्रतिबंध का समर्थक नहीं हूँ और मानता हूँ कि किसी विचारधारा से संघर्ष या मुकाबला सत्ता के प्रतिबंधों से नहीं हो सकता, वह तो विचारधारा के माध्यम से ही होना चाहिये। आजादी के पहले कांग्रेस पर अंग्रेज सरकार ने प्रतिबंध लगाया था तो क्या उससे कांग्रेस समाप्त हुई? 1962 में चीनी हमले के के बाद तत्कालीन सरकार ने कम्युनिष्टों पर प्रतिबंध लगाया था, क्या कम्युनिष्ट पार्टियां समाप्त हुईं? आपातकाल में कांग्रेस सरकार ने जनसंघ और अन्य राजनैतिक दलों तथा संघ पर अघोषित प्रतिबंध लगाया था तो क्या वे समाप्त हो गये? प्रतिबंध अमूमन प्रतिबंधित विचार को और अधिक फैलाता तथा बढ़ाता है। जिस प्रकार पेड़ की कांटछांट से पेड़ घटता नहीं बल्कि बढ़ता है।

संघ की विचारधारा निसंदेह सांप्रदायिक है, जो संस्था एक देश के एक ही धर्म को मानती हो, जो देश को एक हिंदू धर्म का राष्ट्र बनाना चाहती हो, उसमें धार्मिक कट्टरता होना स्वाभाविक है। एक धर्म के राष्ट्र की परिकल्पना भारतीय संविधान की धर्मनिरपेक्षता समभाव और बंधुता के खिलाफ है। एक धर्म या देश मानने वाली जमातें कहे-अनकहे, घोषित या अघोषित, चाहे या अनचाहे अपने प्रति उदार और अन्यों के प्रति कट्टर होती हैं। यह स्थिति हम लोग दुनिया के उन देशों में भी देख सकते हैं जहां एक धर्म के देश वह पाकिस्तान हो या अफगानिस्तान, ईरान, ईराक या कोई भी एक धर्म को मानने वाले देश हैं, वहाँ दूसरे धर्मों को मानने वालों की स्थिति स्वाभाविक रूप से दोयम दर्जे की हो जाती है। और वह अंर्तकलह अंतरहिंसा में बदलती है जिसको हम लोग पाकिस्तान या अन्य देशों में देख रहे हैं। संघ की संकीर्णता प्रतिबंध से हटती नहीं है वरन बढ़ती है। एक धर्म का देश होना फिर उसमें बहुमत वाले एक पंथ का देश होगा, फिर पुरानी परंपराओं को पुनरू जिंदा कर चलाने वाला देश होगा और अंतत वह विघटन की ओर ले जायेगा। भारत एक विशाल देश है जिसमें अनेकों धर्म हैं, अनेकों पंथ हैं, अनेकों भाषाएं हैं, सैकड़ों बोलियां हैं, सैकड़ों जातियाँ व उपजातियाँ हैं इन्हें एकजुट रखना ही देश को ताकतवर बनाना होगा और इसके लिये सभी धर्मों, भाषाओं, क्षेत्रों, खंडों, उपखंडों की स्थानीयता के साथ-साथ एक सुगठित राष्ट्र बनाना होगा। परस्पर मत भिन्नताओं के बीच संवाद करना होगा तथा भिन्नताओं को बहुमत की शक्ति के बजाय आम सहमति से काम करना होगा।

संघ के लोग अभी तक भले ही खुलकर शाखाओं में न जाते हों, परंतु संघ के अधिकारियों और कर्मचारियों की मूल वैचारिक निष्ठा तो संघ में ही रहती हैं तथा एक छिपी हुई भावनात्मक और संगठनात्मक एकता भी उनमें रहती है। यहाँ तक कि अधिकारी वर्ग संघ के अलिखित निर्णय या आदेशों को प्रशासन में क्रियान्वित करता है। संघ और उसके राजनैतिक दल की संरचना ही ऐसे बनाई गई है जिस प्रकार कम्युनिस्ट शासन में पार्टी ही सत्ता बन जाती है उसी प्रकार भाजपा शासन में संघ ही सत्ता का केंद्र बन जाता है। संघ के प्रशिक्षित लोग पार्टी (भाजपा) में संगठनमंत्री के रूप में भेजे जाते हैं और वे ही पार्टी और सरकार को नियंत्रित करते हैं इसलिये भाजपा की सत्ता वास्तविक रूप से संघ की सत्ता होगी यह बात किसी से भी छिपी नहीं है।

संघ अपनी आवश्यकता के अनुसार अपने आप को रूपांतरित और परिभाषित करता है। वह सांस्कृतिक भी बन सकता है, वह गैर राजनैतिक भी बन सकता है और आवश्यकता पड़ने पर संपूर्ण राजनैतिक भी हो सकता है। मुझे याद है कि 1978-79 के बीच संघ ने नागपुर में आयकर विभाग को लिखकर दिया था कि वह राजनैतिक है। इसलिये संघ की शाखा में कर्मचारियों के प्रवेश की रोक का कोई असर न हुआ था न होगा। पश्चिम बंगाल के हाईकोर्ट के जज अभी 2024 के चुनाव में सेवानिवृत्ति के बाद लोकसभा का चुनाव भाजपा से लड़े। एक और जज साहब ने हाल ही में सेवानिवृत्ति के बाद बयान दिया है कि वे संघ के हैं। और ऐसे कितने ही अधिकारियों, न्यायाधीशों को मैं जानता हूँ (इनकी नियुक्ति अधिकांशतरू कांग्रेस के शासनकाल में हुई थी) क्योंकि उनकी पहचान संभव नहीं है। मैं समझता हूँ कि कर्मचारियों के संघ की शाखाओं में जाने के प्रतिबंध हटाने के बाद कुछ अच्छे परिणाम भी निकल सकते हैं...

1. अब प्रशासन में संघ के स्वयंसेवकों की पहचान खुलकर सामने आयेगी और उनका संगठनात्मक पक्ष भी छिप नहीं सकेगा।
2. संघ के अधिकारी अब प्रशासनिक निर्णयों की जवाबदारी से बच नहीं सकेंगे।
3. बुराई अगर छिपी रहे तो ज्यादा भ्रामक व घातक होती है पर अगर वह खुलकर सामने आ जाये तो कम से कम पहचान तो आसान हो जाती है।
4. छिपी शक्ति से मुकाबला कठिन होता है, बजाय सामने के शक्ति से मुकाबले में। अगर देश के राजनैतिक दल संघ के विचार का मुकाबला वैचारिक आधार पर करना चाहेंगे तो अब ज्यादा आसान होगा।
5. प्रतिबंध से विचार तेजी से फैलते हैं और उनका फैलाव छिपा रहता है, जो नजर नहीं आता है।
6. सरकारी कर्मचारी, राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ का सदस्य हो सकता है, पर शाखा में नहीं जायेगा, क्या यह अंर्तविरोधी और केवल दिखावटी प्रतिबंध जैसा नहीं है?

भारतीय हॉकी

वेद विलास उनियाल

(वरिष्ठ पत्रकार और समीक्षक)

सचिन, विराट मन में बसते हैं श्रीजेश क्यों नहीं!

पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक हासिल करने के साथ ही भारतीय हॉकी के गोलकीपर श्रीजेश ने हॉकी से संन्यास ले लिया है। एथलेटिक्स और फुटबॉल में रुझान रखने वाले श्रीजेश के लिए कोच की हॉकी खेलने की सलाह वरदान बन गई। यह भी संयोग है कि उनकी पदक के साथ विदाई हो रही है। वैसे लगभग 14 साल के करियर में वह भारतीय टीम के दीवार की तरह बने रहे। बेशक हॉकी के दिग्गजों की विदाई क्रिकेट की दुनिया की तरह सुर्खियां नहीं बनती। लेकिन, भारतीय खेल जगत में श्रीजेश का नाम हमेशा चमकता रहेगा।

भारतीय हॉकी का स्वर्णिम दौर फिर से लौटा है। भारतीय टीम ने टोक्यो की तरह पेरिस ओलंपिक में भी चमक दिखाई है। पेरिस से नई दिल्ली की ओर उड़ान भर रहे जहाज के पायलट ने हॉकी टीम के सफर में होने की की सूचना दी तो सब रोमांचित हो उठे। आकाश में भी तालियां बजी। और यही टीम जब दिल्ली एयरपोर्ट में उतरी तो लोगों का जनसमुद्र हॉकी खिलाड़ियों के स्वागत के लिए उमड़ा था। ढोल नगाड़ों की थाप में हर मन उत्साहित दिखा। बेशक हॉकी टीम के लिए सबका मन रोमांचित हुआ है। पर इस उत्साही माहौल में भी यह लगता है कि अभी भी क्रिकेट के लिए जो समा बंधता है, हॉकी में उसकी तलाश है। जिस तरह क्रिकेट में सचिन, धोनी और विराट ही नहीं रणजी खेलने वाले क्रिकेटरों के नाम लोगों के दिलो दिमाग में छाए रहते हैं, वैसा हॉकी के लिए नहीं है। यही वजह है कि सचिन सौरभ जैसे क्रिकेटरों की विदाई के समय जो भावुकता के क्षण दिखते हैं वैसे हॉकी टीम के श्रेष्ठ खिलाड़ियों की विदाई के समय नहीं नजर आते। हॉकी में कब किसी बड़े स्तरीय खिलाड़ी ने खेलों से संन्यास ले लिया इसका पता भी उन्हें ही चल पाता है जो हॉकी में रमे बसे हैं। पेरिस के मैदान में खेल के बाद गोल पोस्ट के ऊपर पर बैठे दिखे श्रीजेश ने भारतीय हॉकी को ऊंचाई दी।

वैसे श्रीजेश ने पेरिस रवाना होने से पहले ही ओलंपिक के बाद हॉकी से संन्यास लेने की घोषणा कर दी थी। उन्होंने हॉकी को जिस स्तर पर पहुंचाया उसके बाद यह स्वाभाविक था कि उनके हॉकी से अलग होने की बात सबको झकझोरती। यह बात मायूस करने वाली है कि पेरिस ओलंपिक के बाद गोल पोस्ट के आगे चट्टान की तरह अडिग रहने वाले श्रीजेश अब नजर नहीं आएंगे। लेकिन, हॉकी में रमने वाले लोगों के अलावा कितने लोगों इस पर गौर किया होगा कि भारतीय हॉकी का एक अध्याय पूरा होने वाला है। कल्पना कीजिए अगर आज की भारतीय क्रिकेट टीम में रोहित शर्मा या उन जैसा कोई क्रिकेट के दूसरे फार्मेट से भी संन्यास लेने की घोषणा कर दें तो खेल जगत में कितना तहलका मच जाएगा। वजह यही है कि लोग अभी क्रिकेट की तरह हॉकी को स्वीकार नहीं कर पाए हैं। हॉकी में केवल यह जान लिया जाता है कि भारत का किसी अंतरराष्ट्रीय मैच में क्या परिणाम रहा है। क्रिकेट की तुलना में हॉकी के अंतरराष्ट्रीय मैच भी उस तरह नहीं देखे जाते। यही कारण है कि भारतीय खेल प्रेमी हॉकी के गोल्डन खिलाड़ी श्रीजेश के बारे में ज्यादा नहीं जानते। हॉकी एस्ट्रो टर्फ के बाद तेज तर्रार खेल में बदली है। खासकर 1976 में मॉन्ट्रियल ओलंपिक के बाद हॉकी का जो स्वरूप बदला है उसमें मैच के परिणाम के लिए गोलकीपर की भूमिका और ज्यादा बड़ी है। तेज हॉकी का चलन हुआ तो पेनल्टी कार्नर से गोल बदलने की दक्षता भी तेजी से बढ़ी। भारतीय हाकी टीम के धीरे-धीरे कमजोर होने के पीछे पश्चिमी देशों के पेनल्टी कॉर्नर से गोल बदलने में क्षमता भी बड़ा कारण रही। कई बार ऐसा भी हुआ है कि भारतीय टीम पूरे यूरोप की विरोधी टीम पर हावी रही। लेकिन, मैच का परिणाम भारत के पक्ष में नहीं रहा। लंबे पास और डी में पेनाल्टी कार्नर अर्जित करके गोल का तख्ता खड़खड़ाने में यूरोपीय टीमों को महारत हासिल रही। जबकि, भारत मुकाबलों में पिछड़ता रहा। कई बार आखिरी क्षणों में भारत ने ऐसे ही मुकाबले गंवाए। 1980 मास्को ओलंपिक में भी बस किसी तरह भारत स्पेन से 4-3 जीत सका था।

भारतीय टीम इसके बाद बड़ी सफलता के लिए जूझती रही है। लेकिन, बिखरती भारतीय हॉकी को धनराज पिल्ले, दिलीप टिर्की, संदीप और श्रीजेश जैसे खिलाड़ियों ने संवारा। खासकर भारत के लिए श्रीजेश का टीम में आना शुभ रहा। उन्होंने भारतीय रक्षा पंक्ति के साथ ऐसी दीवार खड़ी की जिसे आसानी से पार नहीं किया जा सका। भारतीय अग्रिम पंक्ति और मध्य क्रम में एक से बढ़कर एक खिलाड़ी आए। हर दौर में भारत को विलक्षण खिलाड़ी मिलते रहे। हॉकी में मीर रंजन के बाद भारत को डिसूजा और एड्रियन डिसूजा श्रीजेश बेहतरीन हॉकी गोलकीपर मिले। थोड़ा पीछे जाएं तो 1982 में नई दिल्ली के एशियाई खेल में बेहतर हॉकी खेल रही टीम को फाइनल में पाकिस्तान के हाथों सात एक से पराजय झेलनी पड़ी थी। इस पराजय ने मीर रंजन नेगी के करियर पर भी असर डाला और उनके खिलाफ अनर्गल प्रचार भी हुआ। हालांकि, वो दिन पाकिस्तान के कप्तीमुल्ला और हसन सरदार का था। आगे मीर रंजन नेगी ने भारतीय महिला हॉकी टीम को संवारा। इसी पर चक दे इंडिया फिल्म भी बनी।

श्रीजेश उस दौर में भारतीय टीम में आए थे, जब भारतीय हॉकी भंवर में तैर रही थी। केरल के एर्नाकुलम जिले के किझक्कमब्लम गांव में जन्में श्रीजेश 2006 में श्रीजेश जब भारतीय टीम के कैंप में शामिल हुए, तब केवल 17 साल के थे। दक्षिण एशियाई खेलों के जरिए वह भारतीय सीनियर टीम में आए। हालांकि, डिसूजा और छेत्री जैसे विलक्षण गोलकीपरों के रहते श्रीजेश को अपनी नियमित जगह बनाने में कुछ देर लगी। 2014 में जब उन्होंने एशियाई खेल के फाइनल में पाकिस्तान के खिलाफ दो पेनल्टी स्ट्रोक रोके तो सबने जान लिया कि भारत को नया हीरा मिल गया।

दरअसल 80 के दशक में केरल की उड़नपरी पीटी उषा ने एथलेटिक्स में जो ऊंचाई हासिल की थी, उसने केरल के युवाओं को एथलेटिक्स के लिए प्रेरित कर दिया। श्रीजेश एथलेटिक्स के साथ फुटबॉल भी खेलते थे। लेकिन, स्कूल के कोच ने उनकी अलग प्रतिभा को देखकर उन्हें हॉकी का गोलकीपर बनने की सलाह दी थी। यही सलाह वरदान बन गई। एक बार टीम में उनकी जगह बनी तो देखते ही देखते वह भारतीय टीम के मजबूत स्तंभ बन गए। गोल के आगे वह हमेशा दीवार की तरह खड़े रहे। उन्होंने तीन सौ से ज्यादा अंतरराष्ट्रीय मैच खेले। श्रीजेश जैसे खिलाड़ियों की बदौलत भारत ने 1980 के बाद पहली बार टोक्यो में पदक हासिल किया। यह उनकी दक्षता थी कि विश्व की श्रेष्ठ टीमों ने खासतौर पर श्रीजेश को लेकर अपनी रणनीति बनानी शुरू की। लेकिन, उनका हुनर था कि विपक्षी अग्रिम पंक्ति उन्हें चकमा नहीं दे पाती थीं। विपक्ष के स्ट्राइकरों के दनदनाते शाट की कोणीय दिशा को वह बखूबी समझ लेते थे। अपनी डी पर उन्होंने विरोधियों को ज्यादा चहलकदमी का मौका नहीं दिया। पेनल्टी स्ट्रोक तक बखूबी से रोके। दूसरे छोर से बढ़ते फारवर्डों के आक्रामक मूव को उन्होंने सरलता से भंग कर दिया। उनके खेल के स्तर को खासकर पेरिस के उस मैच से भी समझा जा सकता है जिसमें स्पेन ने आखिरी क्षणों में ताबड़तोड़ हमले किए थे। हर क्षण लगता था स्पेनी खेल को बराबर कर जाएंगे। लेकिन श्रीजेश ने ऐसा होने नहीं दिया।

भारतीय हॉकी ध्यानचंद, रूपसिंह, बलबीर सिंह सीनियर, गोविंदा, अजीत पाल, अशोक, धनराज पिल्ले, शाहिद जफर इकबाल जैसे कई जाने माने खिलाड़ियों से होते हुए बात श्रीजेश जैसे खिलाड़ी तक आती है। अच्छा है कि अब वह कुशन बहादुर और सूरज करकेरा जैसे उदयमान गोलकीपरों का मार्गदर्शन करेंगे। भारतीय जूनियर टीम को अगले विश्व कप खेलना है। श्रीजेश जूनियर टीम के कोच बने हैं। पेरिस में खेल खत्म होने पर गोल के ऊपर बैठे श्रीजेश ने मैदान को निहारते हुए निश्चित अपने नए मुकाम के बारे में सोचा होगा। उनके मार्गदर्शन में नई युवा टीम निश्चित बड़े हौसलों को साथ होगी। इससे अच्छी विदाई क्या होगी कि टीम के कप्तान हरमनप्रीत ने भी अपने दोनों गोल उनके नाम किए हैं। गोल रोकने वाले को गोल का ही इनाम मिला।

गधे गुलाब जामुन खा रहे हैं ...

कटाक्ष

लाल बहादुर श्रीवास्तव

लेखक व्यंग्यकार हैं।

गधे गुलाब जामुन खा रहे हैं। जी हां बात अगर टोटकों के सम्बंध में करें तो गधा वो प्राणी है जिसकी जय-जयकार होली की हुड़दग में ही नही होती बरसात के न आने पर भी होती है।

अगर पानी के न बरसने पर त्राहि त्राहि होती है तो सबसे पहले मेंढ़क मेंढ़की के व्याह के लिए इन्हें ढूंढ़ा जाता है। आसानी से मेंढ़क इसलिए नहीं मिलते कि जब पानी गिरा ही नहीं तो कहां से लाएंगे मेंढ़क मेढ़की ।फिर हमारा जुगाडु दिमाग है न वो इस संघर्ष में तेज गति से ओलम्पिक के धावक की तेजी से दौड़ता है, हम मिट्टी और क्ले की सहायता से इनकी प्रतिकात्मक आकृति बनाकर इनका धूमधाम से ब्याह कराते हैं । ब्याह सम्पन्न होते ही इंद्रदेव प्रसन्न होकर झमाझम पानी बरसा देते हैं। दूसरा ये टोटका भी जगजाहिर है कि यदि पृथ्वी पर सबसे आज्ञाकारी प्राणी गधे को गुलाब जामुन भरपेट खिला दिए जाएं तो भी पानी बरसने लगता है ।लेकिन गधों को ढूंढना भी अब इतना आसान नहीं है।

शहर में बड़ी तादाद में अब गधे नहीं है । नसीब अच्छे हैं आपके तो गधे कही कुम्हार के यहां मिल जाये।

वैसे भी गधों की तुलना जबसे इंसानों से की जाने लगी है गधे प्रसन्नचित होने लगे हैं चलो अपनी बिरादरी में इंसान भी शामिल होने लगे हैं। कई सरकारी दफ्तरों में ऐसे नुमाइंदे है जो दफ्तर छोड़ चाय की दुकान या इधर उधर घूमते फिरते मटरगश्ती करते मिलेंगे ,उनकी कार्य प्रणाली देख सब कह उठते हैं - 'गधे गुलाब जामुन खा रहे हैं' । ऐसे लोग भी हैं जो बिना श्रम किए अपने बाप-दादाओं की अथाह सम्पत्ति खा रहे हैं उन्हें देखकर भी सब लोग अपने नसीब को कोसते हुए जुमला मार ही देते हैं -यार गधे गुलाम जामुन खा रहे हैं। चमचागिरी के दौर में सिफारिश से सस्थाओं में कई खलनायक प्रमोशन पा जाते है और काबिल नायक जूते घिसते रह कर सेवानिवृत्त हो जाते हैं। सच ही तो है गधे गुलाब जामुन खा रहे हैं।

जब शहर में बारिश नही हुई ढेड़ माह से तब टोटके अंतिम हथियार माने जाते हैं रुठे हुए इंद्र देव को मनाने के लिए।शहर में जब सूखे की स्थिति से निपटने के लिए पानी की प्रार्थनाएं की जाने लगी तब शहर में गधों को ढूंढ़कर आयोजकों, सेवाभावियों ने गधों की पूजन अर्चना की । फिर एक थाली में देशी घी के गुलाब जामुन रखें गये। गुलाब जामुन को देख अच्छे अच्छों की जीभ लपलपाने लगती है तो बेचारे गधे तो गधे ठहरे।

शौक से गुलाबजामुन खाते गये। आयोजक देखते रह गये। किसी ने विडियो वायरल कर दिया।जहां जहां पानी नहीं बरस रहा था वहां देखा देखी गधों को ढूंढ़कर पूजा की गई बड़े प्यार से गुलाबजामुन खिलायें गये । पानी आ ही गया। गधों की तो बल्ले बल्ले हो ही गई ।

जैसे ही वीडियो वायरल हुआ लोग क्रिया प्रतिक्रिया करने लगे -क्या जमाना आ गया है गधों को गुलाबजामुन खिलायें जा रहे हैं।

मैं यह सोचकर दंग रह गया जब नकली कामचोर गधे बिना मेहनत के गुलाब जामुन खा रहे हैं तो बेचारे ये तो असली गधे हैं । इन्हें अवसर मिला है तो खाने दो बड़े प्यार से, बस ये मत कहो -गधे गुलाब जामुन खा रहे हैं। इनमें से किसी ने भी सुन लिया तो ऐसी दुल्ती मारेगे कि गधों को गुलाब जामुन खिलाना भविष्य में भूल जायेंगे।

सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए उमेश त्रिवेदी द्वारा पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एण्ड सर्विसेस प्रा. लि., राउखेड़ी, देवास रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 662, साईं कृपा कॉलोनी, बॉम्बे हॉस्पिटल के सामने, इंदौर से प्रकाशित।

प्रधान संपादक - उमेश त्रिवेदी
संपादक (म.प्र.) - गिरीश उपाध्याय
वरिष्ठ संपादक - अजय बोकिल
स्थानीय संपादक - हेमंत पाल
प्रबंध संपादक - अरुण पटेल

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2015/ 66040,
Mobile No.: 09893032101
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

डॉ. प्रदीप मिश्र

दो किलो सात सौ ग्राम का टारगेट...

साथ गए सभी काबिल और तजुर्बेकार थे। वजन तौलने वाली मशीन से घड़ी-घड़ी नापते रहे, लेकिन एक्सट्रा वजन इन करतूतियों को नहीं दिखा। जब फॉरेन की मशीन से जाँच हुई तो हमेशा की तरह वही मचा, जिसे अपने यहाँ हाय-तौबा कहते हैं। बड़े साहब, छोटों पर और छोटे साहब, और छोटों पर चीख रहे थे।

-' उसे एक बूंद भी पसीना आया तो तुम्हारा सस्पेंशन तय।'

-' अभी फोर्टीन अवर्स बाकी हैं। उसे बिना खाना-पानी दिए दौड़ाओ। '

- ' खिलाड़ी ने खुद की थूक भी निगली... तो आप पर अनुशासनात्मक कार्रवाही हो जाएगी।'

-' चौदह घंटे में दो किलो सात सौ ग्राम का टारगेट फुलफिल होना चाहिए, बस।'

-' डोण्ट वरी सर, वी ऐचीव अवर टारगेट विथइन टाईम लिमिट।' साहबों के बीच आदेशों और जवाबों का रेला लगा था।

-' आफीसर तुम खिलाड़ी से जिस तरीके की इंसानियत दिखा हो, उससे कम होने की जगह वजन बढ़ न जाए। कपड़े छोटे करके वज़न कम कराइए। खून निकालकर, बाल काटकर जैसे भी हो , मुझे मशीन पर फिक्स्ड पचास

किलो वजन चाहिए, बस।' बड़े साहब कुछ भी नहीं सुन रहे थे।

व्यस्त दिख रहे एक अफसर से हमने पूछा,' आपको पहले नहीं मालूम था कि वजन कितना होना चाहिए और कितना है? वजन बढ़ा कैसे?'

- ' क्या- कैसा था उसको भूल जाइए। हमारी ही कोशिशों से आखिरी में सौ ग्राम वजन एक्ट्रा बचा था। इतना तो चलेबल था । '

-' चलेबल तो किलो भर भी होता है । हमारे मुल्क में सौ ग्राम तो तराजू की डंडी मारके ही बैलेंस हो जाता है?'

- ' देखिए चलता तो सब जगह सब है। लेकिन यहां हमारे अधिकारियों का वजन कम हो गया है ।'

- 'अधिकारी तो आप भी हैं।'

- ' हम तो छोटे कर्मचारी हैं। सवाल जिम्मेदारों से किए जाने चाहिए कि, बड़े साहब ! जब वजन बढ़ रहा था, तब आप किस होटल में बैठके मुर्गे की टांग चिंचोर रहे थे?'

-' बड़े साहब तो कह रहे हैं कि आप जिम्मेदार हो।'

- ' अब मामला फंस गया तो छोटा कर्मचारी जिम्मेदार। जीतते तो फोटो खिंचाने के लिए साहब आगे होते।' छोटा अफसर उदास हो गया।

इस तरह टोपियाँ पहनाने की नूरा-कुश्ती शुरू हो गई है।

कानून और न्याय

विनय झैलावत

(पूर्व असिस्टेंट सॉलिसिटर जनरल एवं वरिष्ठ अधिवक्ता)

डेथ चैंबर न बने कोचिंग देने वाले सेंटर

देश की राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में एक कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में पानी भरने से डूबने से सिविल सेवा के तीन उम्मीदवारों की मौत हो गई। इस घटना को 'सभी के लिए आंखें खोलने वाला मामला' करार देते हुए सर्वोच्च न्यायालय ने स्वतः संज्ञान लेते हुए कहा कि ये स्थान (कोचिंग सेंटर) मृत्यु कक्ष बन गए हैं। आप देश के विभिन्न हिस्सों से आने वाले युवाओं की जान ले रहे हैं।

सर्वोच्च न्यायालय कहा कि दिल्ली के सभी कोचिंग संस्थानों और केंद्रों को दिल्ली के एकीकृत भवन उपनियम, 2016 के साथ पढ़ने वाले दिल्ली के मास्टर प्लान, 2021 के तहत अग्नि और सुरक्षा मानदंडों का पालन करना आवश्यक है। कोचिंग संस्थान तब तक ऑनलाइन काम कर सकते हैं, जब तक कि वहां पढ़ने वाले युवाओं के सम्मानजनक जीवन के लिए सुरक्षा मानदंडों और बुनियादी मानदंडों का पूर्ण अनुपालन न हो। इस तरह के मानदंडों में उचित वेंटिलेशन, सुरक्षा मार्ग और हवा और प्रकाश शामिल होना चाहिए।

सर्वोच्च न्यायालय ने दिल्ली के मुखर्जी नगर के इलाके में कोचिंग संस्थानों के प्रसार और अग्नि सुरक्षा मानदंडों का पालन करने में उनकी विफलता पर दिल्ली उच्च न्यायालय के निर्देश को चुनौती देने वाली भारतीय कोचिंग महासंघ की अपील पर सुनवाई कर रही थी। अपील को खारिज करते हुए, इसने महासंघ पर एक लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया। यह घटनाक्रम दिल्ली उच्च न्यायालय द्वारा सिविल सेवा के तीन उम्मीदवारों की मौत की सीबीआई जांच का आदेश देने के तीन दिन बाद सामने आया। दिल्ली उच्च न्यायालय के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनमोहन की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि घटना की प्रकृति को ध्यान में रखते हुए और यह सुनिश्चित करने के लिए कि जनता को जांच के संबंध में कोई संदेह न हो। इसलिए यह अदालत जांच सीबीआई को स्थानांतरित करती है। उच्च न्यायालय ने केंद्रीय सतर्कता आयोग सीबीआई जांच की निगरानी के लिए एक वरिष्ठ अधिकारी नियुक्त करने को कहा। न्यायालय ने डूबने की घटना को लेकर दिल्ली पुलिस और दिल्ली नगर निगम की खिंचाई करते हुए कहा कि वह यह समझने में असमर्थ है कि छात्र कैसे बाहर नहीं आ सके। यह भी जानना चाहा कि क्या दरवाजे बंद थे या सीढ़ियां संकीर्ण थीं।

5 अगस्त को उच्चतम न्यायालय ने कोचिंग केंद्रों में सुरक्षा मानदंडों से संबंधित मुद्दे का स्वतः संज्ञान लिया। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां की पीठ ने कोचिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा दायर एक याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि ऐसे संस्थान 'डेथ चैंबर' 'बन गए हैं। अदालत ने कहा कि कोचिंग केंद्रों में युवा उम्मीदवारों की मौत की हालिया दुर्भाग्यपूर्ण घटनाएं सभी के लिए आंखें खोलने वाली हैं। इसने सुझाव दिया कि ऐसे संस्थानों को तब तक ऑनलाइन कक्षाओं के माध्यम से काम करना चाहिए जब तक कि वे दिल्ली के एकीकृत भवन उपनियम, 2016 के साथ पठित दिल्ली के मास्टर प्लान, 2021 के तहत अग्नि और सुरक्षा मानदंडों का पूरी तरह से पालन न करें।

दिल्ली के प्रशासनिक, वित्तीय और भौतिक बुनियादी ढांचे पर फिर से विचार करने की आवश्यकता पर जोर देते हुए पीठ ने इससे निपटने के लिए मुख्य सचिव की अध्यक्षता में एक समिति का गठन किया। न्यायमूर्ति सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने अरविंद केजरीवाल सरकार और केंद्रीय शहरी विकास मंत्रालय से कहा कि वे कोचिंग संस्थानों के लिए उचित दिशा-निर्देशों और सुरक्षा मानदंडों पर अपना रुख स्पष्ट करें। हाल ही में, केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने आधिकारिक तौर पर दिल्ली के पुराने राजिंदर नगर में एक कोचिंग सेंटर में तीन यूपीएससी उम्मीदवारों की दुखद मौत की जांच का कार्यभार संभाल लिया है।

एजेंसी ने बुधवार को एक प्राथमिकी दर्ज की, जिसमें दिल्ली पुलिस से मामले के औपचारिक हस्तांतरण को चिह्नित किया गया। सीबीआई के एक वरिष्ठ अधिकारी ने पुष्टि की कि दिल्ली पुलिस द्वारा सभी संबंधित दस्तावेज सौंप दिए गए हैं और सीबीआई टीम के विस्तृत जांच के लिए जल्द ही घटनास्थल का दौरा करने की उम्मीद है। यह, दिल्ली उच्च न्यायालय के 2 अगस्त के आदेश के बाद सीबीआई को स्थानांतरित करने के फैसले के बाद हुआ है। इसमें दिल्ली पुलिस के द्वारा जांच को संभालने पर असंतोष का हवाला दिया गया था।

इस बीच, दिल्ली की राउज एवेन्यू अदालत ने तहखाने के चार सह-मालिकों द्वारा दायर जमानत याचिकाओं के संबंध में सीबीआई को नोटिस जारी किया गया है। प्रधान जिला और सत्र न्यायाधीश अनुज बजाज चंदना यह देखते हुए कि मामले के हस्तांतरण की प्रक्रिया अभी पूरी नहीं हुई है, सीबीआई से स्थिति रिपोर्ट का अनुरोध किया है। 27 जुलाई को राजिंदर नगर पुलिस स्टेशन में दर्ज एक प्राथमिकी में आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 105,106 (1) 115 (2) 290 और 3 (5) के तहत मामला दर्ज किया गया है। इन्हें 28 जुलाई को गिरफ्तार किया गया था। यह पहली बार नहीं है जब सुरक्षा नीतियों के उल्लंघन कर बने भवनों से लोगों की मृत्यु हुई है। उपहार सिनेमा, मामले में भी कई लोगों की मृत्यु हुई थी।

उपहार मामले में अंतिम निर्णय घटना के चार वर्षों के बाद 28 नवंबर 2007 को आया और 23 नवंबर, 2007 को सजा सुनाई गई। इसमें दो भाईयों के साथ बारह लोगों को दोषी ठहराया गया। बाद में लापरवाही से मौत के साथ उनके खिलाफ लगाए गए विभिन्न अपराधों के लिए दोषी ठहराया गया। उन्हें सिनेमेटोग्राफी अधिनियम की धारा 14 का उल्लंघन करने के लिए अधिकतम दो साल के कठोर कारावास के साथ-साथ प्रत्येक पर एक हजार का जुर्माना लगाया गया। अदालत द्वारा सीबीआई को दिया गया एक अन्य निर्देश उन अन्य अधिकारियों की भूमिका की जांच करना था, जिन्होंने उपहार सिनेमा को सत्रह साल के लिए अस्थायी लाइसेंस दिया था।

अन्य सात अभियुक्तों, उपहार सिनेमा के तीन पूर्व प्रबंधकों और सिनेमा द्वारपालों और अधिकारियों को भी भारतीय दंड संहिता की धारा 304 ए के तहत सात साल की सश्रम कारावास की सजा सुनाई गई थी और उन्हें तिहाड़ जेल में रखा गया था। 12 अभियुक्तों पर प्रत्येक पर पांच हजार का जुर्माना भी लगाया गया और उन्हें दो साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई गई। क्योंकि, वे दूसरों की व्यक्तिगत सुरक्षा को खतरे में डालने के दोषी पाए गए थे। त्रासदी के पीड़ितों और ऐतिहासिक नागरिक मुआवजे का मामला दायर करने वाले परिवार को 25 करोड़ रूपये का मुआवजा मिला और उच्चतम न्यायालय ने 13 अक्टूबर, 2011 को दिल्ली उच्च न्यायालय द्वारा उन्हें दिए गए मुआवजे की राशि घोषित की और हर्जाने की इकाई को 2.5 करोड़ से घटाकर 25 लाख कर दिया।

मामले का अंतिम फैसला 24 अप्रैल 2003 को आया, जहां दिल्ली उच्च न्यायालय ने उपहार सिनेमा और दिल्ली विद्युत बोर्ड के मालिकों को लापरवाही का दोषी ठहराया और पीड़ितों के रिश्तेदारों को पच्चीस करोड़ रूपये का नागरिक मुआवजा देने का आदेश दिया। इसमें रिश्तेदारों को पंद्रह लाख रूपये और बीस वर्ष से अधिक उम्र के व्यक्तियों को अठारह लाख रूपये शामिल थे। हालांकि, बाद में 13 अक्टूबर, 2011 को सर्वोच्च न्यायालय ने इस मुआवजे की राशि को अठारह लाख से घटाकर दस लाख तथा पंद्रह लाख से घटाकर 7.5 लाख कर दिया था।

गौरतलब है कि इस तरह की घटनाएं तभी होती है, जब कानून के अनुरूप भवनों का निर्माण नहीं होता है। हर तरह के भवनों के लिये अलग-अलग कानून है। थियेटर के लिए अलग एवं एवं अन्य प्रकार के भवनों के लिये अलग। सभी भवनों के लिये स्थानीय कानून होते हैं जो इस बात को ध्यान में रख कर बनाये जाते हैं कि स्थिति में सबसे अनुकूल क्या होगा। इन कानूनों के अनुरूप भवनों का निर्माण ना होने के इस तरह की दुर्घटनाओं की आशंका रहती है। लेकिन दुर्भाग्य यह है कि न्याय प्राप्त करने में बरसों लगते हैं। इस दौरान साक्ष्य उपलब्ध नहीं होती है तथा गवाह भी मुकरने लगते हैं। उम्मीद की जानी चाहिए कि इस मामले में ऐसा नहीं होगा तथा तीन प्रतिभाशाली युवा-छात्रों को न्याय मिलेगा। साथ ही भविष्य में ऐसी घटना न हो इस संबंध में आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

तुलसी जयंती पर विशेष

दिनेश पाठक

लेखक एवं स्तंभकार

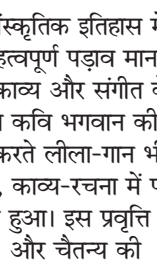

रचनाओं में तुलसी के गायक होने के प्रमाण

तुलसीदास स्वयं को 'कवि' की अपेक्षा विन्रम गायक ही मानते थे। उन्होंने स्वयं मानस में कहा है 'कवि न होऊं नहिं चतुर कहाउं, मति अनुरूप राम गुन गावउँ!' तुलसी के गायक होने के प्रमाण उनकी अन्य रचनाओं में भी उपलब्ध हैं, तुलसीदास जाचक जस गावै। बिमल भगति रघुपति की पावै! (विनय पत्रिका) तरे तुलसीदास भव, तब नाथ गुन गाई! (विनय पत्रिका,पद)

मध्यकालीन भारत के सांस्कृतिक इतिहास में भक्ति आंदोलन एक महत्वपूर्ण पड़ाव माना जाता है।भक्तिकाल में काव्य और संगीत के अभूतपूर्व गठबंधन से संत कवि भगवान की लीला की व्याख्या करते-करते लीला-गान भी करने लगे थे। इसी कारण, काव्य-रचना में पद शैली का प्राधान्य प्रचलित हुआ। इस प्रवृत्ति को जयदेव कृत 'गीत गोविंद' और चैतन्य की भक्ति धारा ने प्रेरणा एवं प्रश्रय प्रदान किया। भक्ति काल की इस विशेषता से श्रृंगार, प्रेम और भक्ति की त्रिवेणी बह निकली और रसिक तथा सहृदय समाज उल्लासपूर्वक उसमें गोते लगाने लगा।

भक्तिकालीन गद्य व पद्य में अनुभूति की जितनी तीव्रता और संगीतात्मकता है उतनी किसी और काल के गद्य पद्य में नहीं। हालांकि, इस काल के सभी रचनाकार न तो गायक थे और न सभी गायक, पद-रचयिता और सभी गायकों का संगीत का जानकार होना भी अनिवार्य नहीं था।किंतु कुछ रचनाकार अवश्य ऐसे थे जिन्हें संगीत का भी गहन ज्ञान था और यह उनकी रचनाओं से सिद्ध होता था। भक्त कवियों ने अपनी दिव्य एवं मधुर वाणी द्वारा संगीत से परिपूर्ण ललित काव्य को गाकर गीत काव्यों को अमरता प्रदान की और संगीत, भक्ति के माध्यम से लोक मानस के समीप आया। जयदेव, विद्यापति, चंडीदास, चैतन्य, हरिदास, कबीर, नानक, मीरा, तुलसी सूर, नामदेव तथा तुकाराम आदि ने धार्मिक स्पर्श से इसे नई चेतना प्रदान

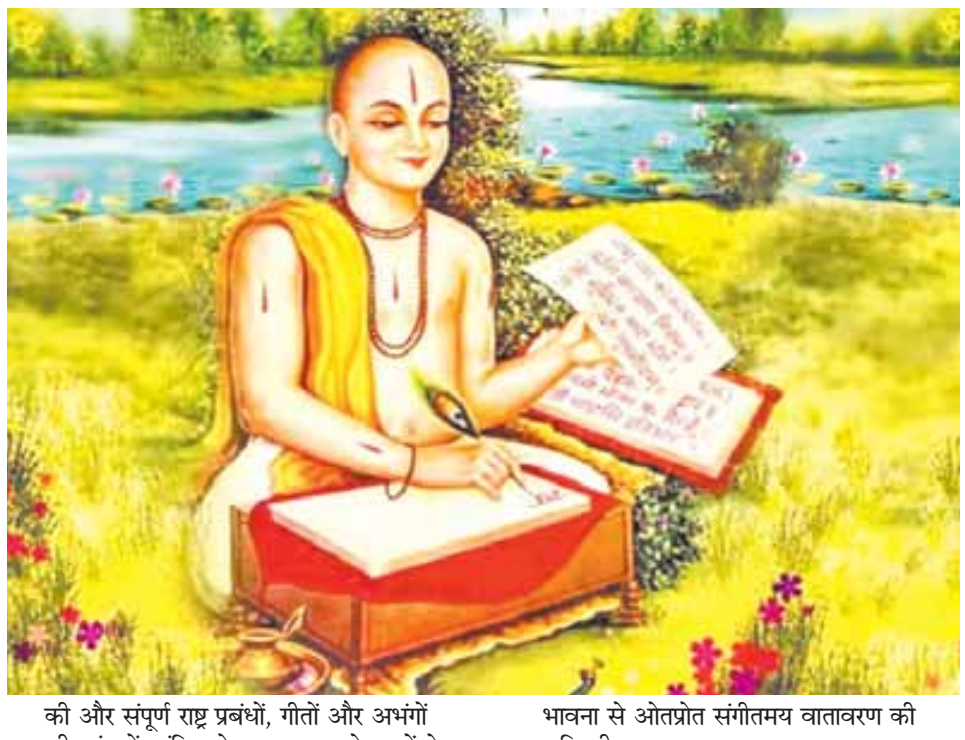

की और संपूर्ण राष्ट्र प्रबंधों, गीतों और अभंगों की तरंग में तरंगित हो उठा। इन वाग्गेयकारों ने अपने काव्य को राग रागनियों में ढाल कर भक्ति भावना से ओतप्रोत संगीतमय वातावरण की सृष्टि की।

इसी भक्ति काल में लोकमंगल की भावना से अनुप्रेरित गोस्वामी तुलसीदास ने अपने रचना संसार को हिन्दू संस्कृति एवं हिन्दू राष्ट्र की उदात्त भावना के साथ प्रतिस्थापित कर आत्मबोध और भगवत भक्ति को जनसाधारण में सतत प्रवाहित किया। तुलसीदास का युग संगीत का स्वर्णकाल था अतः उनकी रचनाओं में गेय तत्व प्रधान था। उनके रचनाओं का साहित्यिक स्वर सांगीतिकता को खंडित नहीं करता था इसलिए उनके पदों में काव्य, स्वर माधुर्य एवं ताल पद्धति का त्रिवेणी संगम उपस्थित था। वे कवि होने के साथ संगीत के शास्त्रीय व लोक पक्ष का गहन ज्ञान भी रखते थे। उन्होंने संगीत के माध्यम से रामभक्ति का व्यापक प्रचार प्रसार सफलतापूर्वक किया।

जब 'रामचरितमानस' की चौपाइयां विभिन्न स्वर लहरियों में निबद्ध कर प्रस्तुत की जाती हैं तो इन चौपाईयों को अमीर गरीब, शिक्षित-अशिक्षित, शहरी और ग्रामीण समस्त वर्गो द्वारा समान रूप से आनंद व तन्मयता से गाया जाता है और यही 'रामचरितमानस' की विशिष्टता है। तुलसी की रचनाओं में काव्यात्मक और संगीतात्मक तत्वों का अनुपम संयोग सहज ही दृष्टिगत होता है इसलिए सामान्य और विशिष्ट सभी विद्वानों को तुलसी काव्य में अनुकूल सामग्री प्राप्त होती है। तुलसी काव्य की सहज गेयता ने इसका सामान्य गान करने वालों से लेकर विशिष्ट संगीतज्ञों तक को अपनी ओर आकर्षित किया है। तुलसी की रचनाओं में रचना कौशल, प्रबन्ध और भाव-प्रवणता का अद्भुत संगम भी दृष्टिगत होता है।

गोस्वामी तुलसीदास का काव्यशास्त्र तथा छन्द शास्त्र पर सहज अधिकार था। विद्वानों के मतानुसार विनय पत्रिका और गीतावली के अतिरिक्त उनकी रचनाओं में पच्चीस छन्द प्रकार व्यवहृत हुए हैं। गोस्वामी जी की भावानुकूल राग योजना, ताल युक्त शब्द योजना तथा माधुर्य युक्त वर्ण विधान से सिद्ध होता है कि वे सांगीतिक व्याकरण के ज्ञाता भी थे। संगीत शास्त्र के ज्ञाता मानते हैं कि उन्होंने अपनी गीत काव्य कृतियों में इक्कीस राग-रागनियों को समाविष्ट किया है। उपरोक्त विश्लेषण के आधार पर यह कहा जा सकता है कि गोस्वामी तुलसीदास जी,संगीत मर्मज्ञ वाग्गेयकार थे इसी कारण उनके काव्य पदों की अभिव्यक्ति में एक कोमल संगीतात्मक लय, भाव तथा रस का सहज प्रवाह विद्धमान है। इनकी लय में ऐसा मोहक आकर्षक है कि मन स्वतः ही उन्हें गुनगुनाने के लिए प्रेरित होता है। निश्चय ही तुलसी के काव्य का संगीतमय जादू आज भी जनमानस को अभिभूत कर देता है।

अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस पर विशेष

डॉ. रामेश्वर मिश्र

युवा राष्ट्र की सम्भावना एवं चुनौतियां

आज समय बदल रहा है, बढ़ती अर्थव्यवस्था और विकसित राष्ट्र बनने की होड़ में विश्व के समस्त देश क्रियाशील है। जो देश विकसित है, वह अपने को विश्व के समक्ष सबसे शक्तिशाली राष्ट्र के रूप में स्थापित करने की होड़ में है। ऐसे में सन 2023 में भारत विश्व का सबसे अधिक जनसंख्या वाला देश बनकर उभरा। यूएनएफपीए की स्टेट ऑफ वर्ल्ड पापुलेशन रिपोर्ट 2023 के अनुसार भारत की जनसंख्या 1428.6 मिलियन पहुंच गई है जो चीन की जनसंख्या से 29 लाख अधिक थी। इसी के साथ ही साथ भारत विश्व की सबसे युवा आबादी वाला देश भी बन गया। युवा राष्ट्र का गौरव प्राप्त करना भारतीय राष्ट्र के लिए एक गौरव एवं अर्थव्यवस्था के सतत विकास के लिए वरदान है। भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा युवा कल्याण और कौशल को विकसित करने के लिए जोर दिया जाता है, संपूर्ण राष्ट्र के विकास और विकसित भारत का लक्ष्य 2047 को चुना गया है। आज भारत में 25 प्रतिशत जनसंख्या 14 वर्ष आयु की है, 18 प्रतिशत जनसंख्या 10 से 19 वर्ष आयु की है तथा 26 प्रतिशत जनसंख्या 10 से 24 आयु वर्ष की है। युवा होने के लिए कोई निश्चित परिभाषा वैश्विक स्तर पर नहीं है, भारत ने युवा राष्ट्रीय नीति 2014 के द्वारा युवाओं के लिए 15 से 29 वर्ष की आयु सीमा निश्चित की है। आंकड़ों के अनुसार भारत के उत्तर प्रदेश और बिहार सबसे युवा राज्य हैं। युवा किसी भी देश के विकास की धुरी होता है, जो देश युवा शक्ति संपन्नता से युक्त हो उसके विकास को रोका नहीं जा सकता है। युवा होना एक बदलाव को इंगित करता है, युवा एक नई सोच को रेखांकित करता है, युवा एक नई गति को बतलाता है, युवा एक सकारात्मक सोच को प्रदर्शित करता है, युवा एक संचार की शक्ति को दर्शाता है, युवा बदलाव को दर्शाता है, युवाओं को लेकर स्वामी विवेकानंद ने कहा है कि जिसके हाथों में शक्ति है, पैरों में गति है, हृदय में ऊर्जा और आंखों में सपने होते हैं, वह युवा है। आज भारत के पास एक युवा शक्ति है जो राष्ट्र निर्माण का साधन और साध्य दोनों है। एक युवा राष्ट्र होने के चलते भारत के पास अनेक संभावनाएं एवं चुनौतियां दोनों ही विद्यमान है। विवेकानंद जी ने कहा था मेरी भविष्य की उम्मीद चरित्रवान बुद्धिमान दूसरों की सेवा के लिए सब कुछ त्यागने वाले, आज्ञाकारी, स्वयं के प्रति और समूचे राष्ट्र के नेक युवाओं से है।

युवा राष्ट्र होने पर देश आज तेजी से उभरती हुई अर्थव्यवस्था बन सकता है और प्रधानमंत्री जी के विजन 2047 के विकसित भारत के लक्ष्य को आसानी से प्राप्त कर सकता है। यह संभावनाएं भारत के सतत विकास के लक्ष्य को प्राप्त करने का एक श्रेष्ठ माध्यम बन सकती है। आज विश्व 24वां अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस मना रहा है, अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस मनाने की शुरुआत सर्वप्रथम सन 2000 में की गई थी। संयुक्त राष्ट्र द्वारा युवाओं के विकास को प्राप्त करने के लिए हर साल एक निश्चित लक्ष्य रखा जाता है, इस बार संयुक्त राष्ट्र द्वारा अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस के अंतर्गत जो लक्ष्य निर्धारित किया गया है उसकी टैगलाइन 'क्लिक से प्रगति तक- सतत विकास के लिए युवा डिजिटल रास्ते' है। राष्ट्र के सतत विकास के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए बदलाव की आवश्यकता है यह तभी हो सकता है जब हम युवाओं को प्रशिक्षित करें और उनके साथ समान रूप से काम करें। भारत संभावनाओं और संपन्न संसाधनों वाला देश है यहां पर विकास करने की अपार संभावनाएं विद्यमान है, युवा शक्ति वाले इस राष्ट्र को सही दिशा में अपनी ऊर्जा शक्ति को लगाकर राष्ट्र के विकास के प्रतिमान को स्थापित किया जा सकता है। युवा शक्ति से संपन्न भारतीय राष्ट्र सैन्य शक्ति सम्पन्न राष्ट्र बन सकता है। युवा शक्ति से संपन्न राष्ट्र होना जितने उल्लास एवं उत्साह का विषय है उतने ही युवा शक्ति का सही दिशा में न कार्य करना एक गंभीर चिंता का विषय भी बन सकता है। युवा शक्ति संपन्न देश होने के कारण भारत की युवाओं को लेकर अनेक चिंताएं विद्यमान है जैसे अशिक्षा, बेरोजगारी, कौशल क्षमता, स्वास्थ्य एवं नशा की समस्या आज देश के सामने गंभीर चुनौती है।

युवाओं की इन समस्याओं से निपटने के लिए सरकार द्वारा संयुक्त राष्ट्र के साथ मिलकर अनेक योजनाएं कार्यान्वित की गई है जिनमें जीवनतंरग योजना के माध्यम से जहां युवाओं को औद्योगिक प्रशिक्षण दिया जाता है वही उज्जवल योजना के माध्यम से माध्यमिक विद्यालयों में छात्रों के लिए सकारात्मक विचारों को विकसित करने के लिए कार्य किया जाता है, इसी के साथ किशोरियों के लिए सूचना, मनोरंजन आईटी, परामर्श और स्वास्थ्य आधारित योजना के माध्यम से एक प्लेटफार्म तैयार किया जाता है। भारत में आदिवासी किशोरियों में शारीरिक विकास एवं शैक्षणिक विकास के लिए नागरिक कल्पना योजना का कार्यान्वयन किया गया है। टेक सखी योजना राजस्थान में संचालित की जाती है जिसके माध्यम से बाल विवाह को रोकना, खेल, शिक्षा में युवाओं की भागीदारी को सुनिश्चित करने के साथ ही साथ लैंगिक असमानता के विषय में जानकारी देना प्रमुख कार्य है। इसी प्रकार मध्य प्रदेश में डिजिटल सखी योजना के माध्यम से महिला सशक्तिकरण, स्वास्थ्य, लिंग आधारित हिंसा के विषय में जानकारी दी जाती है। संयुक्त राष्ट्र और भारतीय सरकार की संयुक्त तत्वावधान में युवाओं के विकास आधारित अनेक योजनाएं संचालित है परंतु योजनाओं के विपरीत अशिक्षा, कौशल अक्षमता, बेरोजगारी, लिंग हिंसा, रहवास की समस्या आज ऐसे क्षेत्र हैं जिस पर कार्य करने आवश्यकता है, इसके अभाव में युवा पीढ़ी और राष्ट्र के संभावित विकास को नुकसान हो सकता है।

हर घर तिरंगा अभियान को लेकर किया बैठक का आयोजन

बैतूल/भौरा। भाजपा भौरा मंडल में रविवार को नगर के विजय मंगल भवन में एक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर शहर घर तिरंगा अभियान को सफल बनाने के लिए विचार-विमर्श किया गया। इस बैठक में निर्णय लिया गया कि 11 से 13 अगस्त के बीच मंडल स्तर पर तिरंगा बाइक रैली और तिरंगा यात्रा का आयोजन किया जाएगा। भाजपा मंडल अध्यक्ष विशाल ठाकुर ने कहा, हमारे कार्यकर्ताओं ने इस अभियान को जन-जन तक पहुँचाने का संकल्प लिया है, जिससे हर घर पर तिरंगा लहराए।

स्व सहायता समूह की महिलाओं ने भी इस कार्यक्रम में भाग लिया, जहाँ उन्होंने कार्यकर्ताओं को राखी बांधी और एक पौधा माँ के नाम के तहत पौधारोपण किया। बैठक में शक्ति केंद्र के प्रभारी और सह प्रभारी नियुक्त किए गए, जो इस अभियान की सफलता सुनिश्चित करेंगे। भाजपा युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष दिलीप माधव ने जोर देकर कहा कि इस अभियान को व्यापक रूप देने के लिए हर स्तर पर कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

इस बैठक में भाजपा मंडल अध्यक्ष विशाल ठाकुर युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष दिलीप माधव, जय किशोर मिश्रा, महिला मोर्चा मंडल अध्यक्ष किरण मर्सकोले, मीरा भाई धुर्वे,रूप नारायण मालवीय, अखिलेश राय,महादेव मर्सकोले दीपेश यादव, ओम प्रकाश यादव, गुलदास धुर्वे, दीपेश यादव, मनीष यादव, कैलाश यादव, गौरा धुर्वे कन्हैया राठौर, निलेश यादव धनाराम यादव, विसराम काजले, सालक मर्सकोले एवम अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहेसहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे जिन्होंने अभियान की योजना और आगामी गतिविधियों पर चर्चा की ।

लाड़ली बहनों ने जनप्रतिनिधियों को राखी बांधकर देशभक्ति की भावना जगाई

हर घर तिरंगा अभियान में राखी बांध निकाली तिरंगा रैली, आजादी के शहीदों को दी श्रद्धांजलि

बैतूल। सिमोरी ग्राम पंचायत और ताप्ती आनंद क्लब के संयुक्त तत्वावधान में एक अभिनव कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें श्हर घर तिरंगा अभियान के तहत गांव में तिरंगा रैली निकाली गई और देशभक्ति की भावना से ओत-प्रोत वातावरण बनाया गया। इस कार्यक्रम में विशेष रूप से ग्राम की लाडली बहनों ने जनप्रतिनिधियों और समाजसेवियों को राखी बांधकर अपने स्नेह का इजहार किया और पौधारोपण अभियान के तहत श्एक पेड़ मां के नामश् का संकल्प लिया। कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती वंदना और मां ताप्ती के पूजन से हुई। इस

मौके पर भीमपुर के महामंत्री संतोष बडैदे, ग्राम पंचायत सिमोरी के सरपंच रामप्रसाद बडैदे, उपसरपंच श्रीमती सुकिया बाई, ताप्ती आनंद क्लब के अध्यक्ष शैलेंद्र बिहारिया, पंच जंगली, समाजसेवी तुलसीदास उजोने, सचिव बलराम पवार, और रोजगार सहायक कैलाश बेले उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान ग्राम की लाडली बहनों ने राखी बांधकर जनप्रतिनिधियों को सम्मानित किया और पौधारोपण करते हुए पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। तिरंगा रैली के माध्यम से पूरे गांव में राष्ट्रीय ध्वज की शान को बढ़ाते हुए, हर घर पर तिरंगा फहराने की शपथ ली गई। इस अवसर पर संतोष बडैदे ने कहा, तिरंगा हमारे गौरव का प्रतीक है, इसे हर घर पर फहराना हमारा कर्तव्य है। वहीं, शैलेंद्र बिहारिया ने कहा, मैं चाहता हूं कि कोई नेक काम हो जाए, मेरी हर श्वास देश के ही नाम हो जाए। जो सर उठे तो मेरे सामने तिरंगा हो, और जो सर झुके तो वतन को प्रणाम हो जाए। उन्होंने तिरंगे का पूरा सम्मान करने की अपील भी की। इस आयोजन में ममता गोहर, राधिका पटैया, सीमा वरकड़े, कल्पना धुर्वे, उर्मिला बेले, बाबूलाल धुर्वे, कमला बेले सहित सैकड़ों लाडली बहनें उपस्थित थीं, जिन्होंने इस अभियान को सफल बनाया। सभी ने तिरंगे का पूजन कर आजादी के शहीदों को श्रद्धांजलि दी और उनके बलिदान को याद किया। कार्यक्रम का समापन देशभक्ति के संकल्प के साथ हुआ।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के आगमन की तैयारियों को लेकर कलेक्टर ने की समीक्षा

कार्यक्रम की गरिमा और भव्यता का रखें ध्यान : कलेक्टर श्री सूर्यवंशी

बैतूल। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव के 12 अगस्त 2024 सोमवार को भैंसदेही आगमन की तैयारियों को लेकर कलेक्टर श्री नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने अधिकारियों के साथ समीक्षा की। रविवार को कलेक्ट्रेट सभागार में वर्चुअली एवं समक्ष में उपस्थित अधिकारियों से चर्चा करते हुए उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ.यादव के हेलीपैड स्थल पर सुरक्षा व्यवस्था, कारपेट, पर्याप्त बेरिकेडिंग, अतिथि कक्ष एवं चिकित्सा दल के साथ एम्बुलेंस की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने अधिकारियों को सौंपे गए दायित्वों के क्रम में समीक्षा की और अधिकारियों से फीडबैक प्राप्त किया। कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने एसडीएम, मुख्य नगर पालिका अधिकारी और जनपद सीईओ भैंसदेही, महिला बाल विकास, माइनिंग, स्वास्थ्य विभाग, आदिम जाति कल्याण विभाग एवं खाद्य विभाग सहित अन्य अधिकारी, कर्मचारियों से कार्यक्रम की भव्यता और गरिमा के अनुरूप

व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने अधिकारियों को मौसम को दृष्टिगत रखते हुए कार्यक्रम स्थल पर उपस्थित हितग्राहियों के भोजन, पानी, बैठने की पर्याप्त व्यवस्था, चिकित्सा व्यवस्था एवं सभी आपातकालीन सुविधाएं उपलब्ध करने के निर्देश दिए।

दोपहर 2 बजे भैंसदेही पहुंचेंगे सीएम – कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्री नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने बताया कि मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव 12 अगस्त को हेलीकॉप्टर से भैंसदेही के लिए रवाना होंगे। दोपहर 2 बजे बैतूल जिले के भैंसदेही के पीएमश्री शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय परिसर पर बने हेलीपैड पर उतरकर मुख्य कार्यक्रम स्थल अटल बिहारी वाजपेयी स्टेडियम (सीटी ग्राउंड) पहुंचेंगे। मुख्यमंत्री के आगमन व रोड शो का स्थानीय जनजातीय सांस्कृति नृत्य समूह द्वारा अभिवादन किया जाएगा।

लाड़ली बहनें मुख्यमंत्री को बांधेंगी 51 फीट की राखी

मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव जिले की लाड़ली बहनों के लिए आयोजित रक्षाबंधन और श्रावण उत्सव कार्यक्रम में शामिल होंगे। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव को लाड़ली बहना 51 फीट की राखी बांधेंगी। जिले की 2 लाख 77 हजार लाड़ली बहनाओं को 35 करोड़ की नियमित एवं 6 करोड़ की स्पेशल रक्षाबंधन उपहार राशि का वितरण मुख्यमंत्री के करकमलों द्वारा अंतरित की गई है, जिले की लाड़ली बहनों द्वारा आभार व्यक्त किया जाएगा। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री द्वारा हितलाभ वितरण किया जाएगा।

जिले में 60 करोड़ से अधिक विकास कार्यों का होगा लोकार्पण और भूमिपूजन

कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने बताया कि भैंसदेही में 12 अगस्त 2024 को आयोजित कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव जिले में 60 करोड़ से अधिक विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन करेंगे।

एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत मुख्यमंत्री करेंगे पौधारोपण

पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से चलाए जा रहे एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत मुख्यमंत्री डॉ.यादव भैंसदेही में कार्यक्रम के दौरान पौधारोपण करेंगे।

आदिवासियों की कला- विरासत बहुत समृद्ध है : केन्द्रीय मंत्री डीडी उइके

शिल्पकार मनोनयन मेले में दिखी शिल्पकारों की कलाकृतियां

बैतूल। केंद्रीय राज्य मंत्री दुर्गादास उइके ने कहा कि आदिवासी कला समृद्ध संस्कृति और सबसे पुरानी कला का प्रतीक है। श्री उईके जेएच कॉलेज बैतूल के ऑडिटोरियम में शनिवार को एक दिवसीय शिल्पकार मनोनयन मेले के उद्घाटन अवसर पर बोल रहे थे। मेले में स्थानीय जनजातीय शिल्पी कलाकारों द्वारा अपनी कलाकृति की प्रदर्शनी लगाई गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय राज्य मंत्री दुर्गादास उईके, बैतूल विधायक हेमंत खंडेलवाल, आमला विधायक डॉ.योगेश

पंडाग्रे, घोड़ाडोंगरी विधायक गंगा उईके, भैंसदेही विधायक महेन्द्र सिंह चौहान, जिला पंचायत अध्यक्ष राजा पवार, नगर पालिका अध्यक्ष पार्वती बाई बारस्कर जिला पंचायत उपाध्यक्ष हंसराज धुर्वे, उपस्थित थे। केन्द्रीय राज्य मंत्री, सांसद ने कहा कि आदिवासियों की कला विरासत बहुत समृद्ध है। आदिवासी शिल्पकारों के उत्थान के लिए केन्द्र सरकार ट्राइफेड के द्वारा योजनाएं चला रही है। जिसका उद्देश्य आदिवासी शिल्पकारों को मंच प्रदान कर उनके आर्थिक रूप से विकसित करना है। कार्यक्रम में बैतूल विधायक ने केन्द्रीय मंत्री श्री उइके से निवेदन किया कि जिले में ऐसी परियोजना लाई जाए, जिससे आदिवासी समाज और इस क्षेत्र का विकास हो। ट्राईफेड, जनजातीय कार्य मंत्रालय, भारत सरकार से जुडकर उनकी आमदनी विपणन के माध्यम से बढ़ाया जाएगा।

जिले के शिल्पकार ट्राइफेड से जुडकर हुए लाभान्वित- क्षेत्रीय प्रबंधक ट्रायफेड अजीत कुमार भगत ने बताया कि जनजाति शिल्पकारों द्वारा निर्मित शिल्पियों जैसे धातुकला, कपड़ा पेंटिंग, ट्रायवल ज्वेलरी आदि को शिल्पकारों से खरीदकर ट्राइब्स इंडिया दुकान के द्वारा विपणन कर जनजाति वर्ग के लोगों की आय बढ़ाने का उद्देश्य हैं। श्री भगत ने बताया कि ट्राईफेड जनजातीय शिल्पकारों को अधिक लाभ दिलाने हेतु समय-समय पर आदि महोत्सव, आदि बाजार, आदि चित्रा आदि मेले लगाकर सामान की बिक्री का अवसर प्रदान किया जाता है। वर्तमान में बैतूल जिले के 50 से अधिक शिल्पकार ट्राइफेड से जुडकर लाभ प्राप्त कर रहे हैं, जिसका लाभ परिलक्षित हुआ है। कार्यक्रम का संचालन बिक्री कार्य पालक योगेश यादव एवं आभार वरिष्ठ सहायक पीके रजक ने व्यक्त किया। इस अवसर पर सहायक आयुक्त आदिवासी विभाग शिल्पा जैन सहित बड़ी संख्या में आदिवासी शिल्पकार, जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक, कलाप्रेमी मौजूद थे।

मोहटा के स्कूल में शिक्षक और अस्पताल में डॉक्टर पदस्थ करने हेतु सौंपा ज्ञापन

बैतूल। भीमपुर विकासखंड के ग्राम मोहटा के ग्रामीणों ने कलेक्टर को एक जापन सौंपकर शिक्षा, स्वास्थ्य सहित अन्य समस्याओं को दूर करने के लिए ज्ञापन सौंपा है। ग्रामीणों ने बताया कि ग्राम मोहटा ताप्ती के उस पार है। इससे जुड़े कम से कम 30 गांव हैं। पंचायती राज आने से पूर्व जब मोहटा काला पानी के नाम से जाना जाता था। तब मोहटा पुलिस थाना में करीब 20 अधिकारियों-कर्मचारियों का स्टाफ हुआ करता था। अब यहां थाना ही नहीं है। थाने की दो एकड़ जमीन है परंतु भवन खंडहर हो चुके हैं। सन 1995 के समय से कक्षा पहली से आठवीं तक प्राथमिक शाला में प्रधान पाठक के साथ करीब 4 से 5 मास्टर हुआ करते थे। आज 12 वीं तक कक्षा संचालित है। नवीन हायर सेकेंडरी का निर्माण हुआ करीब 350 छात्र-छात्राएं अध्ययनरत है और एक भी शिक्षक नहीं है। यहां पर वर्ष 2013-14 में सभी विषयों की जैसे विज्ञान, गणित, बायोलॉजी हुआ करते थे। आज सिर्फ 1 विषय उपलब्ध है।

25 से 50 लाख का सोलर प्लांट बिजली के लिए लगा है जो 3 माह चलने के बाद से करीब 5 साल से बंद पड़ा है। मोहटा के नाम से आई एक्स-रे मशीन, फीजर, दवाइयां अन्य सभी सामान बी.एम.ओ या अन्य जो भी कर्मचारी हैं, उपयोग कर रहे हैं। पहले हर वर्ष क्षेत्र में पाउडर छिड़काव होता था, कुंआ में दवाइयां डलती थी। पिछले 5 वर्षों से कुछ भी नहीं दवाई भी नहीं मिल रही है। वर्तमान में एक नर्स जो डिलीवरी का काम देखती हैं और जबकि माह में कम से कम 15, 20 डिलीवरी केस जब से यह मैडम आई है डिलीवरी केस भी आना बंद है। आते थे अब आ भी रहे हैं तो सिर्फ कागजों में। 25 वर्ष पूर्व यहां एक पटवारी स्थाई रहता था। ग्राम सहायक स्थाई रहता था। पिछले 10 वर्षों से पटवारी चार-पांच जिनका कोई ता पता नहीं रहता है। ग्राम सहायक जो माह में एक बार धोखे से कब आते, कब चले जाते पिछले सात आठ वर्षों से देखा नहीं है यह हाल है। रहती है पर संस्था हायर सेकेंडरी जिसमे एक भी टीचर इस क्षेत्र में सिर्फ एक शिक्षण संस्था जो संचालित ऊपर तक इनको सिर्फ वोट से मतलब है। यहां पर नहीं है। हमारे जो भी जनप्रतिनिधि है सरपंच से लेकर बिजली का है जो बुवाई के समय मात्र 4 घंटे रहती है। व्यवस्था बनाने कोई पहल नहीं कर रहा है। यही हाल वोल्टेज समस्या से ग्रामीण जूझ रहे हैं। सब स्टेशन मोहटा में पिछले चार-पांच वर्षों से सेक्शन है लेकिन काम अभी तक चालू नहीं हुआ है। ग्रामीणों ने कलेक्टर से इन समस्या से निजात दिलाने की मांग की है। ज्ञापन सौंपने के दौरान रामेश्वर सोनी, मानिक सोनी, छगनलाल जायसवाल, पवन चौहान, शुक्लू मर्सकोले मर्सकोले, आल्हा मर्सकोले, बिहारी कुमरे, रामलाल भारत पांडे, मदन छेरके, दशरथ सोनी मोहटा, प्रेमलाल मर्सकोले पाटन, छोटे लाल इवने चिमईपुर, दलपत इवने, सौमा इवने, भारत इवने, बाबूलाल, संतुलाल पटेल ग्राम मोहटा पाटन चिमईपुर जोगली पालंगा टीटवी एवं समस्त क्षेत्रवासी मौजूद थे।

ग्राम मोहटा में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का नवीन भवन जो लगभग दो करोड़ की लागत से बना है। सन 1998 के लगभग में डॉक्टर सुमन के ट्रांसफर के बाद मोहटा में 25 साल से कोई डॉक्टर कोई नर्स नहीं है। जबकि मोहटा के नाम से डॉक्टर आते हैं लेकिन कोई यहां नहीं आता वर्तमान में भी मोहटा स्वास्थ्य केंद्र के नाम से तीन डॉक्टर है जो आज पर्यंत तक नहीं आए अभी 6 माह से मोहटा में कोई डॉक्टर एक दिन के लिए भी नहीं आया। जबकि ग्राम मोहटा से जुड़ा महाराष्ट्र के लगभग 25 गांव जो 10 से 15 किलोमीटर दूर स्वास्थ्य सेवाओं के लिए मोहटा से जुड़े हुए थे। जब मोहटा काला पानी के नाम से जाना जाता था तब भी कर्मचारी 50 किलोमीटर से पैदल चलकर मोहटा आता था उस समय में एक डॉक्टर, रेगुलर कंपाउंड, ड्रेसर, नर्स के साथ 10, 12 का स्टाफ रहता था।

सद्भावना कावड़ यात्रा आज

बैतूल। चौथे सावन सोमवार प्रातः आठ बजे ताप्ती जी (खेड़ी) में पूजा अर्चना कर ताप्ती जी का जल ले कर प्रचीन शिव मंदिर कोठी बाजार के लिए प्रस्थान करेगी। सद्भावना कावड़ यात्रा के सम्बन्ध में जानकारी देते हुए जिला कांग्रेस अध्यक्ष हेमन्त वागद्रे ने बताया कि कावड़ यात्रा 10.30 बजे खेड़ी सावलीगढ़ 11.30 बजे डहरगांव 12 बजे महदगांव दोपहर 1 .00 बजे भट्डूस 1.30 बजे दनोरा 2.00 बजे बडोरा ब्रिज से गेंदा चौक, कारगिल चौक, अम्बेडकर चौक, शिवाजी चौक, मुल्ला जी पेट्रोल पंप, बस स्टेण्ड होते हुए दोपहर 3.00 बजे प्राचीन शिव मंदिर लल्ली चौक कोठी बाजार पहुँच के पूजा अर्चना कर भगवान शिव जी से सुख समृद्धि की कामना करते हुए जल अर्पित करेंगे इसके पश्चात भोजन प्रसादी के बाद समापन होगा। श्री वागद्रे ने सभी से इस सद्भावना कावड़ यात्रा में शामिल होने का अनुरोध किया है।

मात्र छह साल की मासूम से बलात्कार का प्रयास

बैतूल। जिले के शाहपुर थाना क्षेत्र में एक 6 साल की नाबालिग बालिका के साथ बलात्कार के प्रयास का मामला सामने आया है। आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। इधर एक वृद्धा से बलात्कार के एक मामले में आरोपी को न्यायालय से 10 साल की सजा सुनाई गई है। पुलिस ने बताया कि एक फरियादी ने शाहपुर थाने में रिपोर्ट की कि उसकी नाबालिग पुत्री के साथ आरोपी शशांक कुमरे द्वारा गलत काम (बलात्कार) करने का प्रयास किया गया। साथ ही जान से मारने की धमकी दी गई। जिस पर प्रथम दृष्टया आरोपी शशांक कुमरे के विरुद्ध अपराध दर्ज कर विभिन्न धाराओ एवं पॉक्सो एक्ट का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। विवेचना के आरोपी शशांक पिता नामदेव कुमरे उम्र 20 साल निवासी अर्जुन नगर बैतूल की गिरफ्तारी के लिए थाना शाहपुर से टीम बनाई गई। आज 10 अगस्त को आरोपी शशांक कुमरे को गिरफ्तार किया गया। आरोपी को न्यायालय बैतूल में पेश किया गया। न्यायालय द्वारा जेल वारंट बनाने से आरोपी को जिला जेल बैतूल में दाखिल किया गया।

सनसनीखेज प्रकरण में आरोपी को 10 साल की सजा- थाना कोतवाली बैतूल के वर्ष 2022 के एक बलात्संग के चिन्हित जघन्य सनसनीखेज प्रकरण में आज न्यायालय बैतूल के द्वारा आरोपी मनोज मालवीय को 10 वर्ष के कठोर कारावास से दण्डित किया गया है। पुलिस के मुताबिक मामला इस प्रकार है कि थाना कोतवाली बैतूल में जून 2022 में 62 वर्षीय महिला द्वारा मौखिक रूप से रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी।

कार में बिठाकर ले गया आरोपी- रिपोर्ट के मुताबिक किसी अज्ञात व्यक्ति के द्वारा अपनी कार में बैठाकर ले जाया गया और फरियादिया के साथ बुरा काम (बलात्कार) किया गया। साथ ही मारपीट की गई। रिपोर्ट पर धारा 323, 506, 376 (1), 366 भादवि का अपराध अज्ञात आरोपी के विरुद्ध कायम किया जाकर विवेचना में लिया गया।

टीम ने लगातार की तलाश

मामले की गंभीरता को ध्यान में रखते हुए पुलिस टीम का गठन किया गया। गठित टीम के द्वारा लगातार अज्ञात आरोपी की तलाश पतारसी की गई। फरियादिया के कथनों के आधार पर चार पहिया वाहन के कलर एवं बताये गये आरोपी के हुलिया व पहनावा के अनुसार जांच पड़ताल जारी रखी गई। आरोपी की कार एवं आरोपी की जानकारी हाईवे टोल नाका के सीसीटीव्ही कैमरों से प्राप्त की गई। फरियादिया के द्वारा आरोपी व कार की पहचान करने के उपरांत कार के मालिक की जानकारी प्राप्त की गई। घटना दिनांक को कार के उपयोग कर्ता की जानकारी प्राप्त करने के उपरांत अज्ञात आरोपी की पहचान मनोज पिता सोदान मालवीय उम्र 25 साल निवासी अयोध्या नगर भोपाल के रूप में हुई।

आरोपी ने कबूल किया जुर्म

आरोपी से उक्त अपराध घटना के संबंध में पूछताछ की गई। जिसके द्वारा उक्त अपराध को घटित करना स्वीकार किया गया। आरोपी को गिरफ्तार किया जाकर न्यायालय पेश किया गया। मामले की विवेचना पूर्ण होने से अभियोग पत्र तैयार किया जाकर न्यायालय पेश किया गया। न्यायालय द्वारा प्रकरण को जघन्य सनसनीखेज मामला मानते हुए लगातार सुनवाई की गई। इसके बाद आज 10 अगस्त को आरोपी के विरूद्ध सम्पूर्ण साक्ष्य पाये जाने से आरोपी मनोज मालवीय को 10 वर्ष के कठोर कारावास से दण्डित किया गया है।

मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता कार्यक्रम का शैक्षणिक सत्र का शुभारंभ

बैतूल। मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता कार्यक्रम के अंतर्गत शैक्षिक सत्र 2024 -25 हेतु बी एस डब्लू एवं एमएसडब्ल्यू हेतु सत्र प्रारंभ किया गया। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद एवं महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वाधान में मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम के अंतर्गत संचालित समाज कार्य स्नातक एवं परा स्नातक की प्रथम द्वितीय एवं तृतीय वर्ष की संपर्क कक्षाओं के रविवार 11 अगस्त को सत्र का आरंभ जिले के अग्रणी महाविद्यालय जयवंती हक्कसर कॉलेज के ऑडिटोरियम में भव्य कार्यक्रम के साथ हुआ, जिसमें मुख्य अतिथि महाविद्यालय के जन भागीदारी अध्यक्ष घनश्याम मदान वरिष्ठ, अधिवक्ता संजय शुक्ला, जिला समन्वयक प्रिया चौधरी, नवांकुर संस्था से तूलिका पचौरी, रेखा गुजरे, प्रमिला धोत्रे, निमिषा शुक्ला, प्रोफेसर संतोष पवार, सपना दवंडे, इंद्रदेव

कावड़कर, भूपेन पवार, सुनील पवार, आशीष कोकने, जय श्री देशमुख, शैलेंद्र मालवी द्वारा सरस्वती पूजन कर मुख्यमंत्री सामुदायिक विकास पाठ्यक्रम की जानकारी दी। साथ में नशा मुक्ति की शपथ तूलिका पचोरी द्वारा दिलाई गई। वृक्षारोपण एवं हर घर तिरंगा अभियान की भी जानकारी दी गई एवं वृक्षारोपण किया गया। प्रिया चौधरी जिला समन्वयक द्वारा मुख्यमंत्री जी का संदेश पाठ्यक्रम के विस्तार को लेकर का वाचन किया गया । घनश्याम मदान द्वारा समाज सेवा के क्षेत्र में काम कर गरीबों की किस प्रकार हम मदद कर सकते हैं और देश का विकास कर सकते हैं बताया गया। संजय शुक्ला द्वारा कहां गया कि इस पाठ्यक्रम के माध्यम से नए समाजसेवियों को तैयार किया जा सकता है। रेखा गुजरे ने बताया कि गांव में काम करने की बहुत आवश्यकता है छोटी-छोटी समस्याओं को भी आसानी से हल किया जा सकता है। तूलिका पचौरी ने कहा कि इस कोर्स के माध्यम से नेतृत्व क्षमता को विकसित करना है। प्रोफेसर संतोष पवार नेडूकहा कि समाज में कार्य करने के लिए बहुत लोगों की आवश्यकता है। इस कोर्स के माध्यम से हम जन जागरूकता के कार्यक्रम का आयोजन कर सकते हैं। कार्यक्रम का संचालन श्री सुनील पवार जी द्वारा किया गया।

तुलसी जयंती पर विशेष

रमेश रंजन त्रिपाठी

लेखक स्तंभकार हैं।

स्वयं द्रष्टा भाव

श्री राम अपनी पत्नी सीता जी और अनुज लक्ष्मण के साथ वन को जा रहे हैं। वे चित्रकूट जाते हुए प्रयागराज से आगे निकल चुके हैं। रास्ते में पड़नेवाले गाँवों के निवासी उनके दर्शन कर कृतार्थ हो रहे हैं। अयोध्या के राजकुमारों की ख्याति समस्त जनपद में फैल गई थी। लोगबाग अपने कामधाम छोड़कर उन्हें जी भर कर निहारने के लिए आ जाते हैं। ग्रामवासियों ने न तो इतनी सुंदरता कभी देखी थी न सुनी थी। वे भगवान का अलौकिक रूप देखकर अपनी सुधबुध भूल जाते। जब उन्हें इन अतीव सुंदर और दिव्य आभा वाली विभूतियों के वन-वन भटकने का कारण पता चलता तो तरह-तरह की बातें करने लगते। कोई इतने सुंदर बच्चों को जंगल भेजनेवाले माता पिता को कोसने लगते तो कोई अपने भाग्य को सराहते कि वनवास के कारण उन्हें श्रीराम, जानकी और लखनलाल के दर्शन हो गए अन्यथा ग्रामवासियों के लिए यह कहाँ संभव था!

जनता को अपने दर्शन देकर कृतार्थ करते हुए भगवान यमुना नदी के पास से गुजर रहे हैं। तभी एक कम उम्र का सुंदर तेजस्वी तपस्वी वहाँ आता है। कवि उसकी गति नहीं जानते या कहें कि वह ऐसा कवि था जो अपना परिचय नहीं देना चाहता। वैरागी वेष में वह मन, वचन और कर्म से श्रीराम का प्रेमी था। स्वयं को अपने इष्टदेव के सम्मुख पाकर वह तपस्वी भाव विह्वल हो गया, नेत्रों में अश्रु भर आए, शरीर पुलकित हो उठा, उसकी दशा वर्णनातीत थी। प्रणाम करता हुआ वह डंडे के समान भगवान के समक्ष गिर पड़ा। कृपालु श्रीराम ने पुलकित होकर उसे उठाकर हृदय से लगा लिया। तापस के आनंद की सीमा नहीं थी, मानो महादरिद्री मनुष्य को पारसमणि मिल गई हो। भाव यह है कि दरिद्र के पास या तो कुछ नहीं होता या जो होता है वह अत्यंत तुच्छ होता है। और, पारसमणि में तुच्छता को श्रेष्ठता में बदल देने की क्षमता होती है। जैसे पारस पत्थर के प्रभाव से दरिद्रता वैभव बन जाती है, तपस्वी के जीवन में सांसारिक माया-मोह का दारिद्र्य श्रीराम की भक्ति रूपी संपदा में परिवर्तित हो गया। सभी कहने लगे मानो परमतत्व और प्रेम दोनों शरीर धारण कर मिल रहे हैं। फिर वह तपस्वी लक्ष्मण जी के चरणों में झुका। सौमित्र ने अत्यंत प्रेमपूर्वक उसे उठाया। तापस ने सीता जी की चरण धूलि को माथे से लगाया। जानकी जी ने उसे अपना बच्चा जानकर आशीर्वाद दिया। श्रीराम के साथ चल रहे निषादराज ने तपस्वी को दंडवत् प्रणाम किया। श्रीराम का प्रेमी जानकर तापस आनंदित होकर निषादराज से मिला। वह तपस्वी अपने नेत्रों को दोना बनाकर भगवान राम के सौंदर्य रूपी अमृत का पान करते हुए ऐसे आनंदित होने लगा जैसे किसी भूख से व्याकुल को परम स्वादिष्ट भोजन मिल गया हो।

गोस्वामी तुलसीदास जी की 'श्रीरामचरित मानस' में तापस प्रसंग को इतना ही लिखा है। फिर वह तपस्वी कब और कहाँ चला गया, इसका वर्णन नहीं है। वह कहाँ से आया था यह भी नहीं लिखा गया। तपस्वी के नाम या परिचय का उल्लेख भी नहीं है। संत जन 'मानस' के इस प्रसंग में तपस्वी के परिचय को लेकर अनेक नाम सुझाते हैं। कोई इन्हें अग्निदेव तो कोई हनुमान जी बताते हैं। अधिकांश विद्वान मानते हैं कि यह तपस्वी कोई और नहीं स्वयं गोस्वामी तुलसीदास जी हैं। रामकथा लिखते हुए जब वे यमुना के नजदीक बसे अपने गृह ग्राम राजापुर के पास से भगवान के गुजरने का वर्णन करने लगे होंगे तब स्वाभाविक रूप से ध्यानस्थ भाव में अपने इष्टदेव के समक्ष पहुँच गए होंगे। कल्पना में ही सही, यह कैसे संभव था कि श्रीराम गुसाईं जी के ग्राम के पास से गुजरें और वे उनके दर्शन न करें? तुलसी बाबा ने अपने साथ हुई घटना का वर्णन स्वयं को द्रष्टा बनाकर किया है। यही तीसरे नेत्र की अवधारणा है जिसमें व्यक्ति निस्पृह भाव से स्वयं का द्रष्टा बन जाता है मानो वह किसी अन्य को देख रहा है। इसी परिकल्पना में गुसाईं जी ने स्वयं को भगवान के समक्ष बच्चे की भाँति ही देखा होगा। यूँ भी ईश्वर के समक्ष सभी उनके बच्चे ही तो हैं। तपस्वी के तेजपुंज होने का वर्णन भी उचित है। श्रीराम के सम्मुख होने वाले व्यक्ति का परमात्मा के तेज से स्वयं आभासित होने लगना स्वाभाविक है। स्वयंद्रष्टा से मिलते-जुलते साक्षीभूत, जीवन्मुक्त, तुरीयावस्था जैसे भावों का वर्णन श्रीमद्भागवदगीता जैसे अनेक ग्रंथों में भी मिलता है।

गोस्वामी जी ने इस प्रसंग को किस भाव से लिखा, वे ही जान सकते हैं। सामान्य जन अपनी मति के अनुसार केवल उस तरह अनुमान लगा सकते हैं जैसे, बकौल गुसाईं जी, मक्खी अपनी सामर्थ्य के अनुसार अनंत आकाश में उड़ने का प्रयास किया करती है। 'जिमि निज बल अनुरूप ते माछी उड़इ अकास'। श्रीराम सभी को अपना द्रष्टा बनकर जीवन जीने की शक्ति प्रदान करें।

पलकमती नदी की हवाएं (2)

हीरालाल गोलानी सोहागपुर

बीहड़ का नामोनिशान खत्म

पढ़ें न लिखें सोहागपुर रहते हैं की कहावत नगर में प्रसिद्ध है। नगर की आम जनता के बीच बच्चों, युवाओं, मध्यम उम्रीय, बुर्जुगों ने ग्राम लांगाबम्होरी के मोड़ पर डकेतों के इलाके बीहड़ जो एक डेढ़-दो पुरुष जैसे गड्ढे लगातार की दशकों से देखते देखते अब वो आंखों से ओझल हो गए हैं। जैसे ही सत्ता पक्ष के नवधनाढ्यों परिवार ने वह बीहड़ खरीद लिया।करीबन एक डेढ़ हजार डम्परो से पहुंची,मुरम, मिट्टी ने उन बीहड़ों का नामोनिशान मिटा दिया। है न बड़े मजे की बात। उससे बड़े मजे की बात तो यह है कि प्रशासनिक अधिकारिओं को दिनों रात अवैध रूप से चलने वाले डम्पर दिखाई नहीं दिए? न ही कानों में पटवारी,आर आई ने बातें की। पढ़ें न लिखें सब मन मस्तिष्क में रख रहे हैं?

अरे ये क्या हुआ हुजूर

नगर के विश्राम गृह से लेकर रेलवे स्टेशन तक बरसों सड़क की अभिलाषा में विकास की राह देखते देखते बहुत देर हुई। हुजूर जैसे समाचार पत्रों में सब्ज बाग सड़क निर्माण के दिखाए। याने मन हिचकोले खाने लगा था, सोहागपुर के वाशिंदों का। जैसे तैसे सड़क निर्माण शुरू होने के बाद उसे अधूरा दिया बेसहारा छोड़ दिया गया। तो नागरिकों का पैदल चलना दुश्वार हो गया था हुजूर बड़े मजे की बात तो यह है कि इस रास्ते में प्रशासनिक अधिकारियों के निवास हैं। लेकिन संज्ञान नहीं लिया आखिर क्यों? इस संदर्भ में पार्षद धर्मदास बेलवंशी ने सड़क निर्माण करने वाले दो विभागों के बीच जब एक तरफ सड़क निर्माण के घटिया निर्माण के फोटो सोशल मीडिया पर। इसी बीच तीन सालों में नहीं केवल तीन महीने में ही दोनों विभागों की सड़क में गड्ढे या गड्ढों में सड़क वाली कहावत चरितार्थ हो गई? सड़क एक ही। दोनों छाया चित्र दोनों विभागों के निर्माण कार्य के

अंत में

होशंगाबाद विधानसभा क्षेत्र जिसमें सोहागपुर भी सम्मिलित था। उस समय नगर के ऐसे ऐसे ठेकेदार थे। जो आस-पास के विधानसभा क्षेत्रों में सड़क निर्माण करते थे। उनकी बीसियों सालों में बनी सड़क आज भी कहीं कहीं मिल जाएगी। लेकिन सोहागपुर विधानसभा बनने (परिसीमन) के बाद ये ठेकेदार कहां गुमनामी में खो गए। यह बड़ा सवाल है?

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का वन संचार कार्यक्रम मढ़ई में

हिन्दू समाज एकजुट होकर राष्ट्र हित में कार्य करें : विभाग घोष प्रमुख वक्ता मनीष सहरिया

सोहागपुर । पिछले तीन हजार सालों से भारत गुलामी की जंजीरों में जकड़ा हुआ था। जिसमें भारत कई वर्षों तक शक,हूण, मुगल एवं अंग्रेजों का गुलाम रहा।कई बार भारत के विभाजन हुए। भारत का प्राचीन इतिहास को हमेशा याद रखना चाहिए। हिन्दू समाज को एकजुट होकर राष्ट्र हित में कार्य करने को तत्पर रहना चाहिए। ताकि अखंड भारत की परिकल्पना को साकार कर सकें, उक्त उद्गार

विभाग घोष प्रमुख वक्ता मनीष सहरिया ने सतपुड़ा टाइगर रिजर्व मढ़ई में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वन संचार कार्यक्रम में अनमोल रिपोर्ट मढ़ई के सभागार में

कहें। इस अवसर पर विभाग गौ सेवा संयोजक जीवन दुबे, पिपरिया जिला कार्यवाह सतीश चौकसे, रितेंद्र राजपूत, सौरभ सोनी, संजय मेहरा, उत्तम घरामी, प्रकाश मंडल, मृणाल घरामी, निपुण खंडेलवाल, राघवेंद्र रघुवंशी,नगर कार्यवाह सत्यम रधुवंशी ,हेमाशु पटैल,हेमंत पालीवाल आदि उपस्थित थे। आपने आगे कहा कि प्रतिदिन लगने वाली शाखा के माध्यम से व्यक्ति का मानसिक एवं शारीरिक विकास होता है । आपने सभी स्वयंसेवकों को प्रतिदिन शाखा से जुड़ने का आव्हान किया। उल्लेखनीय है कि मढ़ई के अनमोल रिसोर्ट में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के एक वन संचार कार्यक्रम आयोजन में संगठन के कार्यकर्ताओं ने एकत्रित होकर विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया। जिसमें स्वयंसेवकों ने खेलों, बौद्धिक सत्रों और भोजन कार्यक्रम में हिस्सा लिया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवको ने अपने अपने अनुभव साझा करके एक दूसरे से सीखने का अवसर प्राप्त किया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के इस कार्यक्रम का उद्देश्य सामाजिक समरसता एवं एकता को बढ़ावा देना है तथा समाज के विभिन्न क्षेत्रों में काम करने के लिए प्रेरित करना रहा।

जिलाधीश ने कार्यशाला का निरीक्षण कर 3 साल की बेटी स्नेहा के साथ बनाई मिट्टी की गणेश प्रतिमा

देवास। उज्जैन रोड स्थित जेम्स एकेडमी स्कूल, इटावा में चल रही मिट्टी की गणेश प्रतिमा निर्माण एवं प्रशिक्षण कार्यशाला में पहुंच कर देवास जिलाधीश ऋषभ गुप्ता ने कार्यशाला का निरीक्षण किया । जिलाधीश ने मिट्टी की उपलब्धता व बनाने का तरीका एवं निर्माण से लेकर प्रतिमा वितरण संबंधी जानकारी कार्यक्रम संयोजक आदित्य दुबे ओर ऋचा दुबे से ली। जिलाधीश ने संस्था के इस कार्यक्रम को पर्यावरण हित के लिए एक अच्छा कार्यक्रम बताया एवं कहा कि छोटे विद्यार्थियों को इस कार्यक्रम से जोड़ना अच्छी बात है। जिससे बचपन से ही उनके मन में पर्यावरण के प्रति प्रेम की भावना का निर्माण होगा। वे स्वयं के हाथों निर्मित इकोफ्रेंडली प्रतिमा गणेशोत्सव पर अपने घरों में स्थापित कर घर के गमले में विसर्जित कर तालाबो को प्रदूषित होने से बचा सकेंगे। देवास जिलाधीश के साथ कार्यशाला पर उनकी 3 वर्ष की छोटी बेटी स्नेहा गुप्ता अपने पिता के साथ खेल खेल में ही गणेश जी की सुंदर प्रतिमा का निर्माण कर लिया। जिलाधीश का स्वागत रुद्राक्ष की माला व गंगाजल भेंट कर किया गया । दुबे परिवार के छोटे बच्चों आद्या दुबे व आर्यमन दुबे ने जिलाधीश का आभार माना ।

लायंस क्लब गोल्ड का संस्थापन समारोह संपन्न

देवास। लायंस क्लब देवास गोल्ड का संस्थापन पूर्व डीजी एमजेएफ ला. परविन्दर भाटिया शपथ अधिकारी पूर्व डीजी एमजेएफ ला. रमेश काबरा, विधायक श्रीमंत गायत्री राजे पवार एवं पूर्व महापौर रेखा वर्मा के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। नयी अध्यक्ष हिना राठौर को निवृत्तमान अध्यक्ष ला. लक्ष्मीराव द्वारा पिन और गांग/गॉवेल का हस्तांतरण किया। सचिव ला. डॉ. मनीषा बापना, कोषाध्यक्ष ला. प्रतिभा प्रसाद , उपाध्यक्ष , ला. तरूणा जाट, ला. कल्पनासिंह, ला. संगीता गोयल, संचालक मंडल में ला. शकुंतला बलवानी, अनिता भाटिया, भूमिका शर्मा, आशा पटेल, पूजा अरोरा, पीआरओ ला. नेहा छाबडिरू, संरक्षक चार्टर अध्यक्ष ला. सफिया कुरेशी, ला. सुषमा अरोरा को शपथ दिलवाई। कोषाध्यक्ष ला. डॉ. मोनिका राणा ने गत वर्ष का आय व्यय पत्रक एवं सचिव ला. कल्पना सिंह ने सचिव रिपोर्ट प्रस्तुत की। उन्होंने अध्यक्ष ला. लक्ष्मी राव द्वारा सभी क्लब सदस्यों को स्मृति चिन्ह भेंट किए गए। समस्त अतिथियों को देवास विधायक श्रीमंत गायत्री राजे पवार द्वारा स्मृति चिन्ह देकर सम्मान किया गया। कार्यक्रम का संचालन ला. संगीता गोयल ने किया तथा आभार ला. अभिलाषा शर्मा ने माना। इस अवसर पर विशेष रूप से रीजनल चेयर पर्सन एमजेएफ ला. महावीर गर्ग, जोन चेयर पर्सन एमजेएफ ओसाफ कुरेशी, ला. प्रमोद गुप्ता, ला. मनोज बिंदल आदि उपस्थित रहे।

भारत विकास परिषद ने किया गुरु वंदन छात्र अभिनंदन कार्यक्रम

देवास। भारत विकास परिषद देवास शाखा के रानी अहिल्या बाई गठ के सदस्यों द्वारा शासकीय माध्यमिक विद्यालय क्रमांक 7 पुलिस लाईन में 10 अगस्त को गुरुवंदन छात्र अभिनंदन का कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम में 230 बच्चों, 11 शिक्षिकाओं व 4 भैया वह दीदी का सम्मान किया गया। बच्चों को पेन बिस्किट, टॉफी वह गिफ्ट देकर सम्मानित किया गया। बच्चों व टीचर्स को शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर मीना राव अध्यक्ष, अंतिम अग्रवाल सचिव, शालिनी चव्हाण कोषाध्यक्ष, नेहा अग्रवाल गट प्रमुख और पर्यावरण प्रमुख मलिक एवं उनकी धर्मपत्नी आराधना मलिक उपस्थित रहे। उक्त जानकारी परिषद के मीडिया प्रभारी कीर्ति चव्हाण ने दी

सिंधिया ने हिंडनबर्ग के रिपोर्ट पर कांग्रेस को जमकर लताड़ा

बोले-कांग्रेस सिर्फ नकारात्मकता फैलाना चाहती है, लोगों को भटका रही

ग्वालियर (नप्र)। तीन दिवसीय प्रवास पर रविवार को ग्वालियर एयरपोर्ट पहुंचे केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने हिंडनबर्ग के रिपोर्ट पर कांग्रेस को जमकर लताड़ा है। साथ ही कहा है कि कांग्रेस का काम देश में केवल अराजकता, नकारात्मकता फैलाने के साथ विवादित मामलों में उलझाने का रह गया है। पीएम मोदी और भाजपा के कार्यकर्ता एक मशाल लेकर चल रहे हैं। कांग्रेस केवल देश को भटकाने की कोशिश व अंधेरे में रखने की अपनी पुरानी पद्धति पर चल रही है।

ग्वालियर अंचल के प्रवास पर रविवार को केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया दिल्ली से ग्वालियर पहुंचे हैं। ग्वालियर एयरपोर्ट पर भाजपा व सिंधिया समर्थकों ने केन्द्रीय मंत्री का जोरदार स्वागत किया। इस दौरान सिंधिया जिंदाबाद के नारे सुनाई दिए। केन्द्रीय मंत्री सिंधिया ने एयरपोर्ट पर कार्यकर्ताओं से मुलाकात की और कुछ की समस्याएं भी सुनीं। इसके बाद वह शिवपुरी के लिए सड़क मार्ग से रवाना हो गए। शिवपुरी के लिए रवाना होने से पूर्व उन्होंने एयरपोर्ट पर मीडिया के सवालों के जवाब भी दिए हैं। केन्द्रीय मंत्री सिंधिया ने भारत सरकार को ग्वालियर के विकास के लिए दी जा रही सौगात के लिए धन्यवाद दिया। यहां उन्होंने एक बार फिर ग्वालियर-आगरा एक्सप्रेस वे को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केन्द्रीय राजमार्ग मंत्री नितिन गड़करी का धन्यवाद दिया है।

तीन दिवसीय प्रवास पर हैं सिंधिया

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने रविवार से अपने लोकसभा क्षेत्र गुना के तीन दिवसीय दौरे की शुरुआत की। केंद्रीय मंत्री ने मीडिया को अपने लोकसभा क्षेत्र के तीन जिलों में जनसम्पर्क कार्यालय खुलने व ग्वालियर में उनके प्रयास द्वारा सेंटर आफ एंट्रेप्रेनियोरशिप जल्द खुलने की जानकारी दी। 6-लेन ग्वालियर आगरा एक्सप्रेस वे के लिए पुनः पीएम मोदी व नितिन गड़करी जी को धन्यवाद दिया ।

उपराष्ट्रपति के साथ किए व्यवहार पर कहा-विपक्ष माफी मांगे

केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने राज्यसभा में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के साथ हुए व्यवहार पर आपत्ति जताई है। केन्द्रीय मंत्री सिंधिया ने साफ शब्दों में कहा कि यह सदन का नहीं, यह सभापति का नहीं, यह उपराष्ट्रपति का नहीं बल्कि संविधान और देश के तिरंगे का अपमान है। मैं, इसकी घोर निंदा करता हूं। इस व्यवहार पर विपक्ष को सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी चाहिए। इसके साथ ही सिंधिया ने हर घर तिरंगा अभियान की प्रशंसा करते हुए कहा कि तिरंगा हमारी आन-बान और शान है। हर भारतीय के गर्व के साथ इसे फहराना चाहिए। ग्वालियर एयरपोर्ट से केन्द्रीय मंत्री सिंधिया सड़क मार्ग से सीधे शिवपुरी के लिए निकल गए।

बिल्डिंग की चौथी मंजिल से गिरा तीन साल का मासूम

माता-पिता के सामने खेलते-खेलते खिड़की के किनारे पहुंचकर फिसला

ग्वालियर (नप्र)। ग्वालियर में तीन साल का बच्चा बिल्डिंग की चौथी मंजिल से गिर गया। माता-पिता उसे अस्पताल ले गए, यहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बच्चा खिड़की के पास लगे बेड पर माता-पिता के सामने खेल रहा था। इसी दौरान वह गिर गया।

हादसा सागरताल रोड स्थित प्रधानमंत्री आवास योजना की बनी बिल्डिंग में हुआ है। मासूम अपने परिवार का इकलौता बेटा था। परिवार दो महीने पहले ही यहां फ्लैट में रहने आया था। घटना के बाद पुलिस भी मौके पर पहुंची, लेकिन परिजन बच्चे के शव को लेकर अपने पुश्तैनी घर जा चुके थे। मामले में थाने में रिपोर्ट दर्ज नहीं की गई है। पीएम आवास की ये बिल्डिंग सागरताल में है। बिल्डिंग नई बनी है, जिसकी खिड़कियों में ग्रिल या जाली नहीं लगी है।

बिल्डिंग में हजीरा गदाईपुरा निवासी अक्षय सिंह सिकरवार दो महीने पहले पत्नी और बेटे अनंत (3) के साथ रहने आए थे। परिवार चौथी मंजिल पर ई-50 ब्लॉक में रह रहा था। शनिवार शाम करीब 6 बजे अनंत फ्लैट की खिड़की के पास खेल रहा था। बिल्डिंग नई बनी है, इसकी खिड़कियों में ग्रिल नहीं लगी है। बेटा माता-पिता के सामने ही था। खेलते-खेलते वह खिड़की के किनारे पहुंच गया और नीचे गिर गया। माता-पिता नीचे भागे, लेकिन बच्चे की मौके पर ही मौत हो चुकी थी। बच्चे को खून से सना देख मां की चीख निकल गई, वह वहीं बेसुध हो गई। आसपास लोग इकट्ठा हो गए।

पुश्तैनी घर ले जाकर किया अंतिम संस्कार- सूचना मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंची। परिवार मूल रूप से गदाईपुरा हजीरा का रहने वाला है। इसलिए बच्चे के शव को लेकर माता-पिता अपने पुश्तैनी घर चले गए। इसका पता चलने के बाद पुलिस वापस लौट गई। बताया जाता है कि बिल्डिंग में अव्यवस्थाओं को लेकर कई बार शिकायत की गई, लेकिन कुछ नहीं हुआ।

मां की तेरहवीं के 2 घंटे बाद बेटे की मौत

पत्नी से कहा- 5 मिनट सो लूं; रिश्तेदार बोले- मां के बिना नहीं रहता था

राजगढ़ (नप्र)। मां की अंतिम विदाई की पूजा के 2 घंटे बाद बेटे ने भी आखिरी सांस ली। मां का 13 दिन पहले निधन हो गया। बेटे ने रीति-रिवाज से तेरहवीं का कार्यक्रम किया। इसके बाद जब सुबह 5 बजे सोने गए पति को पत्नी उठाने पहुंची तो बोला- 5 मिनट और सो लूं। इसके बाद फिर नहीं उठा।

जो रिश्तेदार मां की तेरहवीं के कार्यक्रम में शामिल होने आए थे, वे बेटे को आखिरी विदाई देकर अपने घर रवाना हुए। ग्रामीणों का कहना है कि वह अक्सर कहा करता था- हमेशा मां के साथ रहूंगा। उनके बीच प्रेम का अटूट रिश्ता था।

मां-बेटे के प्रेम की यह दास्तां है, राजगढ़ शहर से 13 किमी दूर बड़बेली गांव की। परिवारवालों ने बताया कि भूलीबाई के तीन बच्चों में सबसे बड़ा लक्ष्मीनारायण दांगी (60), रामलाल दांगी (55) और छोटा प्रेमनारायण दांगी (43) है। उनकी तीन बेटियां भी हैं।

बेटा बोला- मां ने दूसरी बार उठाया तो पापा नहीं उठे- प्रेमनारायण के इकलौते बेटे भगवान सिंह दांगी ने भोपाल से इंजीनियरिंग की पढ़ाई की है। उन्होंने बताया कि 27 जुलाई को दादी भूलीबाई दांगी (90) को अचानक से घबराहट हुई और तेज पसीना आया। कुछ देर बाद उनका निधन हो गया।

8 अगस्त को तेरहवीं थी। दादी की मौत के बाद हमने सामाजिक रीति-रिवाज से सभी काम किए। तेरहवीं के कार्यक्रम के चलते पापा प्रेमनारायण बहुत व्यस्त थे। कार्यक्रम में शामिल होने दूर-दूर से रिश्तेदार आए हुए थे।

छोटा बेटा मां के सबसे करीब था

2008 भूलीबाई के लिए बहुत ही तकलीफ देह साल था। उनके पति फूलसिंह दांगी की मौत से वे टूट सी गई थीं। बच्चों का तो सहारा था, लेकिन बुढ़ापे में पति के जाने का गम था।

मां को इस प्रकार से देखकर बेटे दुखी थे। सबसे ज्यादा मां के करीब रहने वाले छोटे बेटे प्रेमनारायण ने ऐसे में मां को ढांढस बंधाया। उसने कहा- मां आप चिंता मत करो पापा चले गए, लेकिन हम तो हैं। मां जब तक जीएंगे साथ रहेंगे।

प्रेमनारायण की 2008 में कही इस बात को उनके घरवाले आज उनके जाने के बाद याद कर रहे हैं। कहते हैं - वे अपनी मां से इतना प्रेम करते थे कि उनके जाने का सदमा बर्दाश्त नहीं कर सके। अचानक से प्रेमनारायण के यूं जाने से परिवार सदमे में है। उनका कहना है कि उन्हें किसी प्रकार की तकलीफ नहीं थी।

रीवा में सड़क हादसे में पति-पत्नी की मौत

पत्नी को मायके लेकर जा रहा था पति ; दोनों ट्रैक्टर की चपेट में आए

रीवा (नप्र)। रीवा में रविवार को तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने बाइक सवार दो लोगों को कुचल दिया। हादसे में पति-पत्नी की मौत हो गई। बताया गया कि मोटरसाइकिल चालक की मौके पर ही मौत हो गई थी। जबकि महिला ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। जानकारी के मुताबिक हादसा जनेह थाना के चौखड़ा गांव में हुआ।

थाना प्रभारी कन्हैया सिंह बघेल ने बताया कि अकाली प्रसाद कुमार पिता विशेषर कुमार उम्र 55 वर्ष और गंगा देवी उम्र 50 वर्ष जो सलैया थाना पनवार के रहने वाले हैं। वे आज सलैया से जनेह आ रहे थे। गंगा देवी का मायका जनेह में है। इसी दौरान दोनों हादसे का शिकार हो गए। एक ट्रैक्टर खेती किसानी के काम से जा रहा था। जिस वजह से टायर में रिंग लगी हुई थी। बताया गया कि बाइक सवार ट्रैक्टर को क्रॉस कर आगे निकल रहे थे। इसी दौरान बाइक का हैंडल तेज रफ्तार ट्रैक्टर के टायर में लगी रिंग में फंस गया। जिस वजह से बाइक ट्रैक्टर की ओर खिंच गई। जिस कारण से हादसा हो गया।

छात्रा से तीन युवकों ने ब्लैकमेल कर किया रेप

बार-बार शारीरिक शोषण किया, रुपए ऐंठे और गर्भवती होने पर गर्भपात कराया

ग्वालियर (नप्र)। ग्वालियर में एक 21 वर्षीय छात्रा के साथ तीन युवकों द्वारा रेप करने, ब्लैकमेल कर रुपए हड़पने और गर्भपात का मामला सामने आया है। पीड़ित छात्रा के साथ पहली बार मार्च 2024 में रेप की घटना हुई। छात्रा की सहेली के भाई ने उसके साथ दुष्कर्म किया। इसके बाद सहेली के भाई ने छात्र के इकलौते भाई की हत्या की धमकी देकर अपने दोस्त के पास भेजा। दोस्त ने भी दुष्कर्म किया और अपने दोस्त के बाद भेजा। घटना मुरार थानाक्षेत्र की है। जब छात्रा गर्भवती हुई तो आरोपियों ने गर्भपात की गोलियां खिलाकर गर्भपात करा दिया। शनिवार को पीड़ित छात्रा मुरार थाना पहुंची। यहां महिला एसआई सुबह से रात 12 बजे तक छात्रा को लेकर घूमती रही और डराती रही। इस बीच मुरार थाना पुलिस ने दो आरोपी भी हिरासत में लिए, लेकिन एफआईआर दर्ज नहीं की है। पीड़ित पक्ष ने एसपी ग्वालियर से भी मामले की शिकायत की, लेकिन रात तक मामला दर्ज नहीं हो पाया था।

ग्वालियर मुरार निवासी 21 वर्षीय छात्रा शहर के एक कॉलेज से बीए की पढ़ाई कर रही है। मार्च 2024 में छात्रा के घर में किसी की शादी थी। जिस पर वह पास ही रहने वाली अपनी सहेली को बुलाने गई थी। सहेली तो घर पर नहीं थी, लेकिन उसका भाई सिद्धार्थ घर पर था। उसने मौका पाकर छात्रा के भाई की हत्या की धमकी देकर उसके साथ दुष्कर्म किया। उस समय वह डर व शर्म के चलते चुप रही। इसके बाद सिद्धार्थ ने छात्रा पर दबाव बनाया कि वह उसके दोस्त राजा से बातचीत करे। उसकी धमकी से डरी छात्रा ने राजा से बातचीत की तो राजा ने उसे अलग-अलग स्थानों पर ले जाकर उसका शारीरिक शोषण किया। इस दौरान उसके फोटो, वीडियो भी शूट किए।

दोनों आरोपियों ने तीसरे दोस्त से संबंध बनाने की धमकी दी

इसके बाद भी आरोपी नहीं मान रहे थे। उन्होंने फोटो-वीडियो वायरल करने की धमकी देकर अपने तीसरे दोस्त दीपक पचौरी के साथ संबंध बनाने के लिए कहा। इसके बाद दीपक ने भी छात्रा के साथ दुष्कर्म किया। जिसके कारण वह गर्भवती हो गई। आरोपियों को यह पता लगा तो उन्होंने उसे गर्भपात की गोलियां खिला दीं और गर्भपात करा दिया।

दूरस्थ अंचलों तक बेसिक लाइफ सपोर्ट की जागरूकता आवश्यक : राज्यपाल श्री पटेल

राज्यपाल ने किया इमरजेंसी मेडिसिन के 20वें नेशनल कॉन्फ्रेंस के समापन समारोह को संबोधित

भोपाल (नप्र)। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि आपातकालीन चिकित्सा में फर्स्टऑवर अर्थात् गोल्डन ऑवर बहुत महत्वपूर्ण होता है। इस अवधि में त्वरित और सटीक मेडिकल सहायता से कई लोगों को जीवन दान मिल सकता है। इसलिए दूरस्थ ग्रामीण अंचलों तक बेसिक लाइफ़ सपोर्ट की जागरूकता आवश्यक है। स्वास्थ्य कर्मियों को भी आपातकालीन चिकित्सा के नवीनतम प्रोटोकॉल्स से अपडेट करें। राज्यपाल श्री पटेल इमरजेंसी मेडिसिन के 20वें राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस के समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे।

राज्यपाल श्री पटेल ने आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं को प्रभावी बनाने और चिकित्सा नवाचारों के लिए एम्स और आयोजकों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि कॉन्फ्रेंस में विद्वानों और विशेषज्ञों के मंथन से आपातकालीन चिकित्सा की बेहतरी के लिए जो समाधान और सुझाव रूपी अमृत निकला है, उसे समाज को ज्यादा से ज्यादा बांटने का प्रयास करें।

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि भारत जैसे विशाल जनसंख्या वाले देश के लिए हेल्थकेयर विशेष रूप से इमरजेंसी हेल्थकेयर एक चुनौती है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में इमरजेंसी हेल्थ केयर की चुनौतियों के समाधान का व्यापक स्तर पर प्रयास किया जा रहा है। एडवांस लाइफ़ सपोर्ट, बेसिक लाइफ़ सपोर्ट, एम्बुलेंस आदि सेवाओं को बेहतर किया जा रहा है। प्रदेश सरकार भी आपातकालीन चिकित्सा सेवा के नये केंद्रों की स्थापना और अत्याधुनिक चिकित्सा सेवा की दिशा में कार्य कर रही है।

साइक्लोथॉन जनजागरूकता का प्रभावी माध्यम

राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि आपातकालीन परिस्थितियों में लोगों को जागरूक बनाने साइक्लोथॉन प्रभावी माध्यम है। उन्होंने एम्स भोपाल की इस पहल की सराहना की। राज्यपाल श्री पटेल ने आशा व्यक्त की कि साइक्लोथॉन का आयोजन आपातकालीन चिकित्सा के प्रति समाज में सकारात्मकता के प्रसार में सफल होगी। साथ ही इमरजेंसी मेडिसिन के क्षेत्र में एम इंडिया-2024 भी मील का पत्थर साबित होगा। सांसद भोपाल श्री आलोक शर्मा ने बेसिक लाइफ सपोर्ट पर आधारित आयोजन और जीवन रक्षा की जन-जागरूकता के प्रयासों के लिए एम्स भोपाल को बधाई दी।

कार्यक्रम में राज्यपाल श्री पटेल का शॉल, श्रीफल और स्मृति चिन्ह भेंट कर अभिनन्दन किया गया। कार्यपालक निदेशक डॉ. अजय सिंह ने स्वागत भाषण दिया। डॉ. मोहम्मद युनुस ने कॉन्फ्रेंस और साइक्लोथॉन की रूप-रेखा की जानकारी दी। अध्यक्ष एम्स भोपाल डॉ. सुनील मलिक ने कॉन्फ्रेंस के विषय पर अपने विचार रखे। डॉ. भूपेश्वरी पटेल ने आभार व्यक्त किया। समारोह में प्रो. रजनीश जोशी, विद्वान चिकित्सक, साइक्लोथॉन प्रतिभागी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अंतर्राष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी श्री विवेक सागर का किया सम्मान

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रविवार को मुख्यमंत्री निवास में भारतीय हॉकी टीम के सदस्य प्रतिभावान खिलाड़ी और मध्यप्रदेश पुलिस में डीएसपी श्री विवेक सागर को अंग वस्त्र और मैडल से सम्मानित किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि श्री विवेक सागर ने हॉकी खेल में अनेक उपलब्धियां अर्जित की हैं। राज्य सरकार उन्हें पूर्ण प्रोत्साहन और सहयोग देगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने श्री विवेक सागर को अपने हाथ से मिठाई भी खिलाई। इस अवसर पर खेल मंत्री श्री विश्वास सारंग उपस्थित थे।

उल्लेखनीय है कि श्री विवेक सागर ने भारतीय टीम के सदस्य के रूप में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। हाल ही में ओलंपिक खेलों में भारत की हॉकी टीम को कांस्य पदक प्राप्त हुआ है। श्री विवेक सागर ने कहा कि उन्हें मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से भेंट कर सुखद अनुभूति हुई। उन्होंने मुझे प्रोत्साहित किया है और शाबाशी भी दी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मुझे अच्छे खेल के लिए शुभकामनाएं देते हुए और आगे भी सहयोग का आश्वासन दिया है। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने श्री विवेक सागर को एक करोड रुपए की प्रोत्साहन राशि देने का निर्णय लिया है।

महाकाल को 2 लाख रुपए का रजत मुकुट भेंट

मुंबई के भक्त ने 2046.500 ग्राम का मुकुट मंदिर समिति को सौंपा

उज्जैन (नप्र)। विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में आने वाले भक्त भगवान को स्वर्ण और रजत आभूषण अर्पित करते हैं। रविवार को मुंबई के एक श्रद्धालु ने करीब 2 किलो से अधिक वजन का चांदी का मुकुट भगवान महाकाल को अर्पित किया है। चांदी के मुकुट का आज की स्थिति में बाजार मूल्य करीब 2 लाख रुपए बताई है।

श्री महाकालेश्वर मंदिर के कोठार शाखा के प्रभारी मनीष पांचाल ने बताया- श्रावण महीने में रविवार को मुंबई के सायन से आए भगवान महाकाल के भक्त अनंत प्रदीप जोशी श्री महाकालेश्वर भगवान को 1 नग रजत मुकुट अर्पित किया है। यह मुकुट उन्होंने मंदिर के पुजारी आकाश शर्मा की प्रेरणा से अर्पित किया है।

मुकुट की कीमत 2 लाख रुपए है

चांदी के मुकुट का कुल वजन 2046.500 ग्राम है, जिसका बाजार मूल्य करीब 2 लाख रुपए है। श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति के सहायक प्रशासक मूलचंद जूनवाल ने रजत मुकुट प्राप्त करने के बाद दान दाता को रसीद प्रदान कर भगवान का प्रसाद भेंटकर उनका सम्मान किया।

गौरतलब है कि श्री महाकालेश्वर मंदिर की सभी व्यवस्थाएं दान के माध्यम से ही संचालित होती है। श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति द्वारा संचालित निःशुल्क अन्न क्षेत्र, गौशाला, चिकित्सा के लिए भक्त स्वर्ण, रजत आभूषण, सामग्री और नकद राशि दान करते हैं।

कही-सुनी

रवि भोई

(लेखक पत्रिका समवेत सृजन के प्रबंध संपादक और स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

छत्तीसगढ़ के नए राज्यपाल ने बदली परंपरा

आमतौर पर राज्य के आला अफसर राज्यपाल से मिलकर प्रदेश के विकास, योजनाओं और कानून-व्यवस्था की जानकारी उन्हें देते हैं। छत्तीसगढ़ के नए राज्यपाल रमेन डेका ने इस परंपरा को बदलकर पिछले दिनों मुख्य सचिव, डीजीपी और अन्य अफसरों की बैठक बुलाकर कानून-व्यवस्था और विकास योजनाओं की जानकारी ली और आवश्यक निर्देश भी दिए। राज्यपाल राज्य के संवैधानिक प्रमुख होते हैं और उन्हें अफसरों की बैठक करने का अधिकार है। पहले के गवर्नर ऐसी बैठकें नहीं करते थे। अधिकारी उन्हें ब्रीफ कर देते थे। 31 जुलाई को छत्तीसगढ़ के 10 वें राज्यपाल बनने के बाद रमन डेका ने जिस तरह अफसरों की बैठक लेकर निर्देश दिए हैं, उससे लोग अंदाजा लगाने लगे हैं कि वे काफी एक्टिव रहने वाले हैं और राज्य में डबल इंजन चलेगी। गवर्नर की बैठक की राजनीति और ब्यूरोक्रेसी में भी खासी चर्चा है। छत्तीसगढ़ के राज्यपाल बनने के पहले तक रमेन डेका असम राज्य के नवाचार एवं रूपान्तरण आयोग के उपाध्यक्ष थे और उन्हें कैबिनेट मंत्री का दर्जा मिला हुआ था। वे 2009 से लेकर 2014 तक सांसद रहे। सांसद रहते लोकसभा की कई समितियों के सदस्य भी रहे।

कांग्रेस नेता की गुत्थी में उलझे उद्योगपति

कहते हैं राज्य के स्टील उद्योगपतियों के साथ खेला हो गया, उनके साथ माया मिली न राम वाली कहावत चरितार्थ हो गई। स्टील उद्योगपतियों ने बिजली अनुदान के लिए सरकार पर दबाव बनाने के लिए हड़ताल का ऐलान कर दिया। खबर है कि सरकार स्टील उद्योग को पिछले सात साल से करीब 300 करोड़ का बिजली अनुदान दे रही थी। यह अलग बात है कि इस अनुदान का लाभ राज्य की जनता को नहीं मिल रहा था। उद्योगपतियों का तर्क है कि अन्य राज्यों के मुकाबले छत्तीसगढ़ में बिजली की दर अधिक है। इसलिए उन्हें राहत तो मिलनी ही चाहिए। चर्चा है कि सरकार उद्योगपतियों को कुछ राहत देने की सोच रही थी, इस बीच उद्योगपतियों के पक्ष में एक कांग्रेसी नेता के कूद जाने से मामला उलझ गया। स्टील उद्योगपति कांग्रेस नेता की गुत्थी में ऐसे उलझे कि न तो वे सरकार पर दबाव बना पाए और न ही मांग मनवा पाए। उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन के आश्वासन पर ही उन्हें हड़ताल वापस लेनी पड़ी।

मंत्रिमंडल का विस्तार टला

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने तत्कालीन मंत्री बृजमोहन अग्रवाल के प्रभार वाले जिलों को जिस तरह चार मंत्रियों के बीच बांट दिया है, उससे लग रहा है कि जल्दी में मंत्रिमंडल का विस्तार नहीं होने वाला है। पहले चर्चा थी कि 15 अगस्त के पहले एक मंत्री बना दिया जाएगा। साय मंत्रिमंडल में अभी मंत्री के दो पद खाली हैं। अब लग रहा है कि मुख्यमंत्री समेत 11 मंत्रियों के अलावा कई विधायकों को भी इस बार स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर झंडावंदन का मौका मिल जाएगा। कहा जा रहा है कि अब मंत्रिमंडल का विस्तार नगरीय निकाय चुनाव तक टल गया। वैसे कुछ दिनों पहले तक मंत्रिमंडल विस्तार और निगम-मंडलों में नियुक्ति को लेकर संगठन पर दबाव था और कई दावेदार सामने आ रहे थे।

पुलिस में फेरबदल कब होगा ?

अशोक जुनेजा को छह माह का एक्टेंशन देकर सरकार ने डीजीपी पर कयासों का बादल साफ़ कर दिया। अब एसपी और आईजी को लेकर तरह-तरह के कयास लगाए जा रहे हैं। पुलिस मुख्यालय में भी कई अफसर बिना चार्ज के तैनात हैं। राज्य में विष्णुदेव साय की सरकार आने के बाद पुलिस में जिले स्तर पर एक बार ही बदलाव हुआ है। उम्मीद की जा रही थी कि विधानसभा के मानसून सत्र के बाद आधे दर्जन से अधिक जिलों के एसपी इधर से उधर होंगे। सरकार ने एक-दो कलेक्टर और कमिश्नर को इधर से उधर किया, पर पुलिस अधीक्षकों और आईजी को नहीं छेड़ा। अब माना जा रहा है कि 15 अगस्त के बाद एसपी बदल सकते हैं। राज्य के कुछ जिलों में ख़राब कानून-व्यवस्था को कांग्रेस मुद्दा भी बनाए हुए है, उसने इस मुद्दे पर विधानसभा का घेराव भी किया था।

अनुराग पांडे बने रहेंगे कलेक्टर

कहते हैं अनुराग पांडे रिटायरमेंट तक बीजापुर के कलेक्टर बने रहेंगे। अनुराग पांडे 31 अगस्त को रिटायर होने वाले हैं। खबर है कि सरकार ने मौखिक आदेश दे दिया है कि अनुराग पांडे के रिटायरमेंट के बाद ही संबित मिश्रा बीजापुर के कलेक्टर का कार्यभार ग्रहण करेंगे। संबित मिश्रा अभी जिला पंचायत कोरबा के सीईओ हैं। कहा जा रहा है कि अनुराग पांडे का परिवार जनसंघ और भाजपा से जुड़े होने के साथ वे पिछले सात महीने में वहां काम भी बहुत अच्छा किया है। नए गवर्नर रमेन डेका ने एक से तीन अगस्त तक दिल्ली में आयोजित राज्यपाल सम्मेलन में नक्सल प्रभावित बीजापुर जिले में हुए सकारात्मक कामों को प्रस्तुत किया। बीजापुर के करीब 100 बच्चे स्वतंत्रता दिवस की परेड देखने के लिए प्लेन से रायपुर आने वाले हैं।

भूपेश बघेल की सक्रियता के मायने

कहा जाने लगा है कि कांग्रेस में दूसरे नेताओं के मुकाबले पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ज्यादा सक्रिय दिखने लगे हैं। भूपेश बघेल ने अपने बंगले में हरेली उत्सव मनाया। राजधानी की सड़कों में गेड़ी पर चढ़े उनके पोस्टर भी जगह-जगह दिखाई दिए। भूपेश बघेल भाजपा की सरकार पर हमले करने से भी नहीं चूक रहे हैं। कानून-व्यवस्था से लेकर सड़कों पर गायों के विचरण के मसले पर वे साय सरकार पर निशाना लगा रहे हैं। भूपेश विधानसभा के भीतर भी आक्रामक दिखे। सरकार ने भूपेश बघेल को मुख्यमंत्री निवास के सामने ही बंगला दिया है। वहीं से वे राजनीतिक तीर छोड़ रहे हैं। लोग कहने लगे हैं कि भूपेश की नजर फिर पीसीसी अध्यक्ष पर तो नहीं है। भूपेश बघेल प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के बाद मुख्यमंत्री बने थे।

रिटायर्ड आईएफएस की नजर पर्यावरण मंडल पर

कहते हैं एक रिटायर्ड आईएफएस छत्तीसगढ़ पर्यावरण मंडल का अध्यक्ष बनने की जुगत में हैं। भूपेश सरकार में ये आईएफएस मुख्यधारा में रहे, लेकिन रिटायरमेंट के बाद भूपेश सरकार ने कोई अच्छा पद नहीं दिया। अब रिटायर्ड आईएफएस भाजपा के सक्रिय सदस्य बन गए हैं। कहा जा रहा है कि अफसर के साथ भाजपा नेता होने के कारण उनके लिए अलग ही रास्ता बन गया। बताते हैं कि रिटायर्ड आईएफएस अफसर इन दिनों आरएसएस के लोगों के भी करीब हैं। वातावरण तो पूर्व अफसर के अनुकूल दिख रहा है, पर पद कब तक मिलता है, यह देखने वाली बात है। कहा जाता है रिटायरमेंट के बाद कांग्रेस राज में भी यह अफसर छत्तीसगढ़ पर्यावरण मंडल के अध्यक्ष की कुर्सी पर निगाह लगाए थे, पर लक्ष्य पूरा नहीं हुआ। अब भाजपा सरकार में किस्मत साथ दे दे तो सपना पूरा हो जाएगा।

बिरसा मुंडा जयंती पर जोर होगा साय सरकार का

कहते हैं छत्तीसगढ़ की साय सरकार आदिवासियों को साधने के लिए बिरसा मुंडा जयंती मनाएगी। 15 नवंबर को बिरसा मुंडा की जयंती मनाई जाती है। बिरसा मुंडा को श्रद्धांजलि देने के लिए पिछले साल 15 नवंबर को देश भर में जन जातीय गौरव दिवस मनाया गया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वयं खूंटी गए थे। बिरसा मुंडा का जन्म खूंटी जिले के उलिहातू गांव में 15 नवंबर 1875 को हुआ था। आज भी बिहार, उड़ीसा, झारखंड, छत्तीसगढ और पश्चिम बंगाल के आदिवासी इलाकों में बिरसा मुंडा को भगवान की तरह पूजा जाता है। स्वतंत्रता आंदोलन में भी बिरसा मुंडा का बड़ा योगदान माना जाता है। कहते हैं बिरसा मुंडा की जयंती पर फोकस होने के कारण राज्य की भाजपा सरकार ने 9 अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस पर कोई ख़ास रूचि नहीं दिखाई।कांग्रेस राज में यहां विश्व आदिवासी दिवस को ज्यादा महत्व दिया गया था। आदिवासी दिवस पर सरकारी स्तर पर कोई आयोजन न होने को कांग्रेस ने एक मुद्दा बना दिया है। इस मुद्दे पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को एक पत्र भी लिखा है।

सोमवार से शुरू हो जाएगा पिछड़ा वर्ग आयोग

सरकार ने रिटायर्ड आईएएस आर एस विश्वकर्मा की अध्यक्षता में सात सदस्यीय छत्तीसगढ़ पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग का गठन कर दिया है। यह संवैधानिक संस्था होगी। फिलहाल तो आयोग का कार्यकाल तीन महीने रखा गया है। तीन महीने में कुछ होने वाला नहीं है, इसलिए आयोग का कार्यकाल तो बढ़ता रहेगा। बताया जा रहा है कि आयोग का कार्यालय पुराने पीएससी दफ्तर में रहेगा और आयोग का कामकाज 12 अगस्त से ही शुरू हो जाएगा। इस दिन आयोग के अध्यक्ष श्री विश्वकर्मा पदभार संभाल लेंगे। अब देखते हैं राज्य में पिछड़े वर्ग के कल्याण की रिपोर्ट देने में आयोग कितना वक्त लेता है।